राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

स्मारिका 2017

राजस्थान पुलिस महिला आरक्षी बैच-66

अकादमी प्रशिक्षकगण
इण्डोर

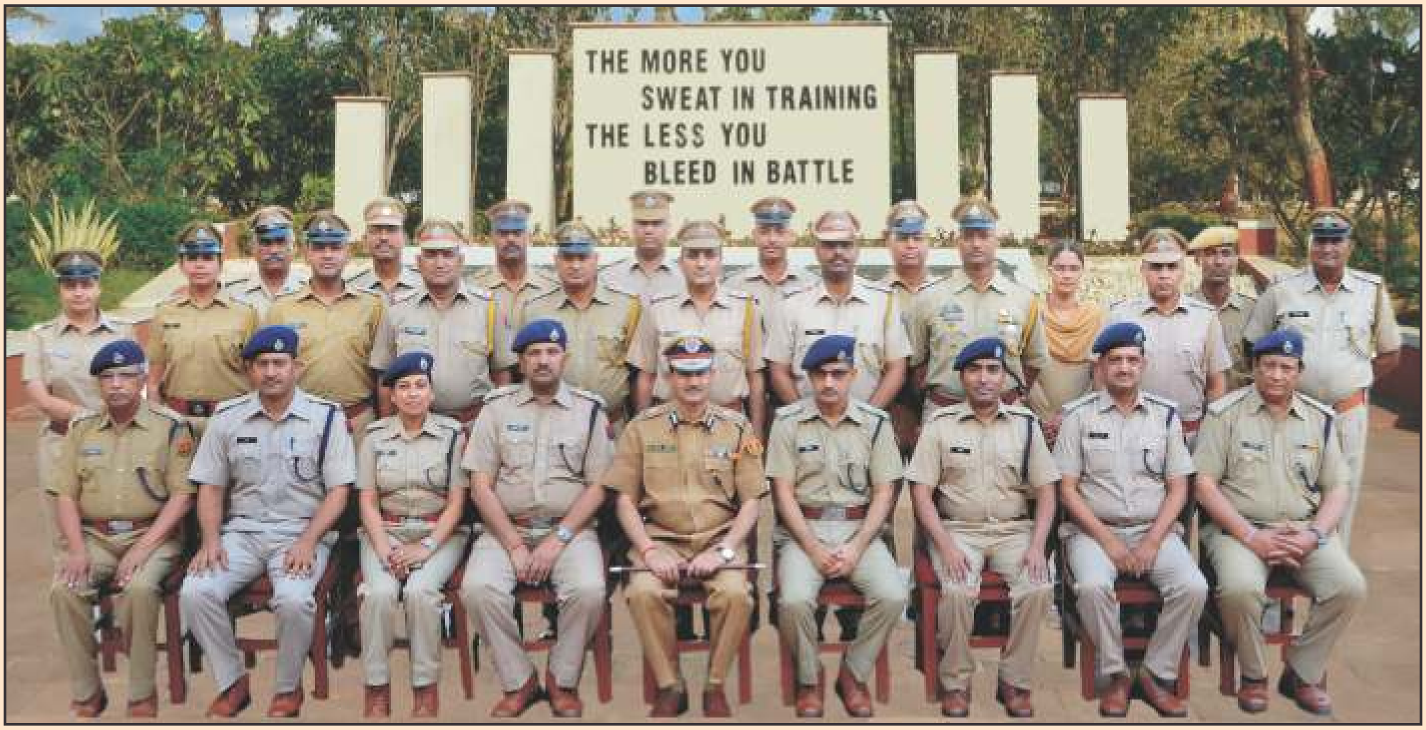

अकादमी प्रशिक्षकगण
आउटडोर

स्मारिका 2017

राजस्थान पुलिस महिला आरक्षी बैच - 66

संरक्षक

राजीव दासोत
आई. पी. एस.
निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

परामर्श एवं मार्गदर्शन

राजेश कुमार शर्मा
आई. पी. एस.
उप निदेशक

संजीव नैन
आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (प्रशासन)

सौरभ कोठारी
आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (इण्डोर)

अनुकृति उज्जैनिया
आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (सी.डी.पी.एस.एम.)

दिलीप सैनी
आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (सी.ओ.ई.)

चन्दाराम विश्नोई
आर. पी. एस.
सहा. निदेशक, आउटडोर

संकलन एवं सम्पादन

जगदीश पूनियाँ
आर. पी. एस.

आलोक कुमार
पुलिस निरीक्षक, कोर्स निदेशक

धीरज वर्मा
पुलिस निरीक्षक, सहप्रभारी

पूनम चौधरी
उप निरीक्षक, सहायक कोर्स निदेशक

सहयोग- पुष्पा शर्मा कान्स्टेबल, बेल्ट नं. 124, ममता कान्स्टेबल, बेल्ट नं. 120
फोटोग्राफी : सागर, कान्स्टेबल, बैल्ट नं. 163

प्रस्तुत संकलन प्रशिक्षणार्थियों की नितान्त मौलिक रचनाओं एवं मौलिक विचारों का प्रतिनिधित्व मात्र है,
सम्पादक मण्डल एवं प्रकाशक का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सत्यमेव जयते

राजीव दासोत आई. पी. एस.

निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

निदेशक की कलम से ...

आधारभूत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई। प्रशिक्षण निश्चित ही आपके पुलिस जीवन का एक महत्त्वपूर्ण भाग है। यह सिखलाई निश्चित रूप से आपके राजकार्य में तथा व्यक्तिगत जीवन में भी उपयोगी सिद्ध होगी। प्रशिक्षण का किसी भी विभाग के कर्मियों के उत्तरोत्तर विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है तथा यह सिर्फ जीवन के प्रति दृष्टिकोण को ही नहीं अपितु व्यक्ति के समग्र विकास की आधारशिला भी रखता है। पुलिस कर्मियों व अधिकारियों के लिए तो उनके कार्य की प्रकृति को देखते हुए प्रशिक्षण का ओर भी अधिक महत्व है।

बदलते परिवेश में अपराध के बदलते स्वरूप को दृष्टिगोचर रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करना एक बहुत बड़ी चुनौती है। इस चुनौती का सामना धैर्य, साहस, परिश्रम, लगन तथा कार्यक्षमता के साथ किया जा सकता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जनता की पुलिस से अपेक्षाएं भी बढ़ी है। इन बढ़ी हुई अपेक्षाओं में समन्वय स्थापित करते हुए अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए एक पुलिसकर्मी में सत्यनिष्ठा, सद्चरित्र एवं व्यावसायिक दक्षता आदि गुणों का होना अत्यावश्यक है।

पुलिस बल में महिला पुलिसकर्मियों की उपस्थिति पुलिस बल को अधिक संवेदनशील, सहिष्णु और जनोन्मुखी बनाती है। महिला कर्मियों की उपस्थिति कार्यस्थल को अधिक गरिमामय एवं शालीन बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।

यह हमारी अपेक्षा है कि आप अपने कर्त्तव्य कौशल से राजस्थान पुलिस की सभी इकाईयों को एक बेहतर स्वरूप प्रदान करेंगी और स्वयं एक महिला होने के नाते महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों की समस्याओं एवं उनके प्रति घटने वाले अपराधों की त्वरित सुनवाई एवं निवारण करने में अपना योगदान देंगी।

हमें विश्वास है कि आप सभी सकारात्मक रूप से कार्य करते हुए पुलिस विभाग की छवि को अधिक बेहतर बनाते हुए अपने कर्त्तव्य का सहर्ष निष्पादन करेंगी।

आप सभी को मेरी ओर से उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

(राजीव दासोत)

सत्यमेव जयते

राजेश कुमार शर्मा आई. पी. एस.

उप निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

उप निदेशक की कलम से ...

आप सभी प्रशिक्षु महिला आरक्षीगण को सफलतापूर्वक आधारभूत प्रशिक्षण पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लोककल्याणकारी एवं जनतांत्रिक राज्य में पुलिस आमजन की सुरक्षा एवं नागरिकों के अधिकारों के संरक्षण हेतु उत्तरदायी है।

पुलिस का लक्ष्य मात्र कानून को कुशलतापूर्वक क्रियान्वित करना ही नहीं है अपितु मानवतावादी नीति से कानून लागू करना है। मानवता, किसी अंजान के प्रति संवेदनशीलता है।

पुलिस को प्रायः जनाक्रोश का पात्र बनना पड़ता है। जनता का पुलिस के प्रति आक्रोश को बदलने के लिए, बढ़ती हुई जन–आकाक्षाओं तथा पुलिस सामुदायिक सेवा के रूप में पुलिस को उच्च व्यावसायिक क्षमता का प्रदर्शन करना आवश्यक है।

राजस्थान पुलिस अकादमी में प्रशिक्षणार्थियों को 'आउटडोर' एवं 'इण्डोर' के प्रशिक्षकगणों द्वारा विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षित कर नवीनतम ढांचे में ढालकर समाजोपयोगी एवं कर्त्तव्यनिष्ठ पुलिस बल के रूप में संवारने का कार्य किया जाता है।

मैं आशा करता हूँ कि आप महिला आरक्षीगण का ध्येय वाक्य ''आमजन में विश्वास अपराधियों में डर'' जीवन संकल्प बने एवं आप सफलतापूर्वक अनुशासन, कठोर परिश्रम एवं कर्त्तव्यनिष्ठा से महिलाओं, बच्चों एवं कमजोर वर्ग इत्यादि को न्याय दिलाने में सहायता करेंगी।

आप महिला आरक्षीगण को मेरी ओर से उज्ज्वल भविष्य एवं सफल पुलिस कैरियर के लिए शुभकामनाएं।

शुभेच्छु

(राजेश कुमार शर्मा)

संजीव नैन आर. पी. एस.
सहायक निदेशक (प्रशासन)
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

संदेश

आप सभी को प्रशिक्षण समाप्ति पर हार्दिक बधाई एवं भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं।

प्रशिक्षण अवधि एक पुलिसकर्मी के जीवन में अति महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है। प्रारम्भिक प्रशिक्षण ही एक पुलिसकर्मी के जीवन को नींव प्रदान करता है। प्रशिक्षण के दौरान वर्तमान चुनौतियों के अनुसार आप सभी को तैयार करने का प्रयास किया गया है। प्रशिक्षण को आपने जीवटता से पूर्ण किया है जिसके लिए आप बधाई के पात्र हैं। पुलिसकर्मी का जीवन सदा चुनौतीपूर्ण होता है। प्रशिक्षण इन चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए सुदृढ़ आधार प्रदान करता है। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को शारीरिक तथा मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाने के साथ–साथ नैतिक मूल्यों को अपना कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया जाता है।

मैं आपसे उम्मीद करता हूं कि पद पर रहते हुए आप सभी से वह व्यवहार करेंगे जो आप दूसरों से अपने प्रति उम्मीद रखते हैं। जीवन में विभिन्न कानूनों–नियमों की पालना करते हुए अच्छा इन्सान बनने का सतत् प्रयास अवश्य करें। अपने व्यस्त सेवाकाल में परिवार एवं परिजनों के साथ समय अवश्य व्यतीत करें। आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

जयहिन्द!

शुभेच्छु

(संजीव नैन)

संदेश

सौरभ कोठारी आर. पी. एस.
सहायक निदेशक (इण्डोर)
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

प्रारम्भिक प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने पर आप सभी को हार्दिक बधाई। आप सभी कर्मक्षेत्र में प्रस्थान करने के लिए कटिबद्ध और उद्यत हैं।

नारी शक्ति स्वरूपा है, करूणा का पुंज है, जीवन में समत्व, स्थायित्व, प्रेम, ममत्व और समर्पण को अभिवर्द्धित करती है।

पुलिस बल में भी आपकी उपस्थिति उसे अधिक संवेदनशील, गरिमामयी और जनोन्मुखी बनाएगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

ऐसा सम्भव हो इसके लिये आपसे अपेक्षित है कि आप परस्पर दायित्वों का साझा निर्वहन करते हुए सहकार की भावना से कार्य करें, महिलाओं, बच्चों एवं कमजोर वर्गों के विधि प्रदत्त अधिकारों और मानवाधिकारों की रक्षा करें और ईश्वर में आस्था रखते हुए, जनसेवा और अन्याय उन्मूलन को अपना ध्येय मानकर, संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण और विधि की पालना में तत्पर रहें।

राजस्थान पुलिस की छवि के निर्माण में आपकी अहम् भूमिका है। अतएव श्रेष्ठ कार्य कर अपने दायित्व को सार्थक करें, कार्यस्थल पर जनता से व्यवहार के दौरान धैर्य, मृदुता एवं दृढ़ता रखें। ज्ञानार्जन एवं स्वास्थ्य लाभ अनवरत करती रहें और राजस्थान पुलिस के महत्वपूर्ण अंग के रूप में अपने कर्त्तव्यों का निष्पादन करें। कार्यस्थल दायित्वों और पारिवारिक जिम्मेदारियों में सन्तुलन बनाते हुए अपने कर्त्तव्यों का निष्पादन करें।

मुझे विश्वास है कि आप श्रेष्ठकर्मों की और अग्रसर होगी और राजस्थान पुलिस के गौरव को बढ़ाएँगी। आपके सुखमय सफल जीवन एंव उत्तम स्वास्थ्य के लिये शुभकामनाएँ।

जयहिन्द!

शुभेच्छु

(सौरभ कोठारी)

अनुकृति उज्जैनिया आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (सी डी पी एस एम)
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

आप सभी को प्रारम्भिक प्रशिक्षण के सफलता पूर्वक सम्पन्न करने पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई।

अकादमी में आधारभूत प्रशिक्षण के उपरान्त आप सभी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु तैयार हैं। अकादमी के इण्डोर एवं आउटडोर स्टाफ ने पूरी लगन व परिश्रम के साथ आपको बहुआयामी प्रशिक्षण जिसमें शारीरिक दक्षता, फायरिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षित किया है।

प्रशिक्षण का जीवन में विशेष महत्व है। प्रशिक्षण से ही प्रशिक्षु के अर्न्तमन में अनुशासन, सहृदयता, कोमलता एवं संवेदनशीलता जैसे भाव जागृत होते है। जिनका एक सफल पुलिस अधिकारी में होना आवश्यक है।

पुलिस बेड़े में अनुशासन, टीम भावना जैसे गुण जो अकादमी से आपने प्राप्त किए है यदि इस गुणों से अलंकृत जो जीवन में संघर्षो का सामना करेंगे तो सदैव सफलता प्राप्त होगी। अतः आप सभी पूरे आत्मविश्वास के साथ आने वाली चुनौतियों का सामना करें एवं अपने आपको बुराईयों से दूर रखने का प्रयत्न करें। भावी जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

जयहिन्द !

शुभेच्छु

(अनुकृति उज्जैनिया)

संदेश

दिलीप सैनी आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (एस सी एण्ड सी ओ ई)
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

रिक्रूट महिला कान्स्टेबल बैच संख्या 66 के समस्त प्रशिक्षुगण को राजस्थान पुलिस अकादमी में आधारभूत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई!

सम्प्रति पुलिस के समक्ष की समस्त चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अकादमी में प्रशिक्षुओं को आउटडोर व इण्डोर के प्रशिक्षकगण द्वारा 'हार्ड स्किल' एवं 'सोफ्ट स्किल' की विभिन्न विधाओं को सिखाया जाता है एवं उनका अभ्यास करवाया जाकर उनकी क्षमताओं में अभिवृद्धि करवाई जाती है एवं साथ ही उन्हें अनुशासन, कर्त्तव्य निष्ठा, संवेदनशीलता, धैर्य एवं देशभक्ति के गुणों से ओतप्रोत किया जाता है। आप सभी प्रशिक्षुगण ने पूर्ण मनोयोग एवं सीखने की भावना के साथ प्रशिक्षण के दौरान की हर गतिविधि में उत्साह से भाग लेकर प्रशिक्षण के हर कौशल को सूक्ष्मता से सीखा है एवं अपने आप को उक्त गुणों से युक्त किया है, मैं आपसे कामना करता हूँ कि आप पुलिसकर्मी के रूप में अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन कर पुलिस का सेवाभावी चेहरा आमजन के सामने प्रस्तुत करेंगे एवं पुलिस के प्रति जनता के दृष्टिकोण में सकारात्मक वृद्धि करेंगे।

मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

जयहिन्द !

शुभेच्छु

(दिलीप सैनी)

चन्दाराम विश्नोई
सहायक निदेशक (आउटडोर)
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

सहायक निदेशक (आउटडोर)

प्रारम्भिक प्रशिक्षण के प्रथम सोपान को कुशलतापूर्वक सम्पन्न करने पर आप सभी को हार्दिक बधाई। सुयोग से आप सभी के लिए कर्म क्षेत्र में प्रस्थान करने का समय आया है। राजस्थान पुलिस परिवार के महत्वपूर्ण प्रतिनिधि के रूप में आप वास्तविक पुलिसिंग हेतु कटिबद्ध एवं उद्यत है। भारतीय दर्शन में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चार पुरूषार्थ बताए गए हैं परन्तु महत्वपूर्ण यह है कि धर्मपूर्वक ही अर्थ और काम की प्राप्ति की जाए। मेरी सम्मति में ईश्वर में आस्था रखते हुये जनसेवा और अन्याय–उन्मूलन को अपना ध्येय मानकर, संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण एवं विधि की पालना में तत्पर रहें तो यश एवं सफलता दोनों ही सुलभ हो जाएंगे। ज्ञानार्जन, स्वास्थ्य–लाभ एवं चरित्र–निर्माण अनवरत करते रहें। इच्छाओं पर संयम का अंकुश रख प्रलोभनों की मृगतृष्णा से दूर रहें।

राजस्थान पुलिस की छवि के निर्माण में आपकी अहम् भूमिका है। यह एक गुरुतर उत्तरदायित्व भी है। सक्षम एवं प्रेरणादायी नेतृत्व प्रदान कर अपने दायित्व को सार्थक करें। कार्यस्थल पर जनता से व्यवहार के दौरान धैर्य, मृदुता एवं दृढ़ता रखें और निष्पक्ष एवं न्यायपूर्ण कार्यप्रणाली को अपनाएं। क्षुद्र विचारों एवं मानसिकताओं का सर्वथा परित्याग करते हुए राजस्थान पुलिस के गौरवशाली अंग के रूप में अपने कर्त्तव्यों का निष्पादन करें। मुझे विश्वास है कि आप श्रेष्ठ कर्मों की ओर अग्रसर होंगे और मनुष्य जीवन को सार्थक करेंगे। आपके सुखमय जीवन एवं उत्तम स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं।

जय हिन्द!

(चन्दाराम विश्नोई)

संदेश

राजेन्द्र सिंह आर.पी.एस.
उप अधीक्षक पुलिस (इण्डोर)
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर।

रिक्रूट महिला कॉन्स्टेबल बैच संख्या 66 के समस्त प्रशिक्षुगण को राजस्थान पुलिस अकादमी में आधारभूत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं !

पुलिस विभाग के लिए प्रशिक्षण बहुत महत्त्वपूर्ण है। प्रशिक्षण से शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ–साथ अनुशासन, व्यवहार कुशलता आदि गुणों का विकास होता है। प्रशिक्षण अवधि में आप लोगों ने सभी विषयों के अध्ययन को लेकर अभूतपूर्व उत्साह दिखलाया। पूर्ण मनोयोग एवं सीखने की भावना के साथ प्रशिक्षण के दौरान की हर गतिविधि में उत्साह से भाग लेकर प्रशिक्षण के हर कौशल को सूक्ष्मता से सीखा है। पुलिस अकादमी से आपने अनुशासन, टीम भावना जैसे गुण प्राप्त किए है यदि इन गुणों से अलंकृत हो जीवन में संघर्षों का सामना करेंगे तो सदैव सफलता प्राप्त होगी।

मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

जयहिन्द !

शुभेच्छु

(राजेन्द्र सिंह)

ज्ञान सिंह चौधरी
संचित निरीक्षक (प्रशासन)
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

कानि. रिक्रूट्स बैच सं. 66 को आधारभूत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई।

पुलिस विभाग के लिए प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। आर.पी.ए. में दिए गए प्रशिक्षण के बाद आशा है कि जीवन में सफलता के लिए आप व्यवहार कुशलता, उच्च नैतिक स्तर, सकारात्मक दृष्टिकोण एवं दूरदर्शिता के साथ अपना कार्य सम्पादित करेंगे एवं समाज के सम्मुख आर्दश पुलिस के सपनों को साकार करेंगे एवं समसामयिक पुलिस के समक्ष विभिन्न चुनौतियों का सेवा के रूप में सामना करेंगे। पुलिस का कार्य मात्र एक जीवन यापन का जरिया न होकर आपको समाज व आमजन की समस्याओं एवं पीड़ा को समझने तथा दूर करने का सुअवसर प्रदान करता है। अपने आपको लक्ष्य केन्द्रित करते हुए नीतिगत मूल्यों की पालना करते हुए पूर्ण लगन तथा मेहनत से कार्य करने पर कोई भी चुनौती आपके लिए असंभव नही होगी एवं सभी पुलिस की नवीन विधाओं से जुड़कर अपने ज्ञान में वृद्धि करते रहें एवं सफलता प्राप्त करें। आपके सुखमय जीवन एवं उत्तम स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं।

(ज्ञान सिंह चौधरी)

संदेश

आलोक कुमार

पुलिस निरीक्षक,
इन्डोर कोर्स डायरेक्टर
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि रिक्रूट महिला कॉन्स्टेबल बैच संख्या 66 का प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर एवं उनके पासिंग आउट सेरेमनी के आयोजन के सुअवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है। यह मेरे लिये अत्यन्त गौरव की बात है कि मैं इस प्रतिभावान बैच का कोर्स निदेशक रहा हूँ।

प्रशिक्षण के प्रत्येक भाग को इन्होनें रूचि लेकर पूर्ण किया है। विशिष्ट अभिरूचि कक्षाओं में चाहे कम्प्यूटर का प्रशिक्षण हो या मोबाईल फोन ट्रेकिंग, रिकार्ड का रख–रखाव हो या स्पोर्ट्स सभी में इनकी सहभागिता व सीखने की ललक देखने योग्य थी। मैं इस नव प्रशिक्षित आरक्षीगणों को इनके आगामी उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद रखता हूँ कि जिस मानवता, संवेदनशीलता व विनम्रता के साथ अनुशासित रहने का प्रशिक्षण इन्होनें प्राप्त किया है उसी प्रकार का व्यवहार ये लोग आम जनता के साथ करेंगे व इस परिवर्तनशील समाज में पुलिस की उच्च छवि का निर्माण करेंगे।

शुभकामनाओं के साथ!

(आलोक कुमार)

वीना कुमारी

कम्पनी कमाण्डर
कोर्स डायरेक्टर, आउटडोर
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

वर्तमान में बदलते सामाजिक एवं आर्थिक परिवेश के कारण पुलिस कार्य चुनौतिपूर्ण होता जा रहा है। इसी चुनौतिपूर्ण कार्य को सफलता से करने के लिए बैच संख्या 66 के कुल 188 महिला प्रशिक्षणार्थियों को सभी क्षेत्रों में दक्ष करने के लिए आउटडोर एवं इण्डोर में प्रशिक्षण के सभी पहलूओं को सम्मिलित किया गया साथ ही शारीरिक व मानसिक विकास पर भी ध्यान दिया गया। प्रशिक्षण के विभिन्न पहलूओं में कौशल विकास, व्यक्तित्व विकास, थाना विजिट, मोबाईल ट्रेकिंग जैसे विषयों को शामिल किया गया। जिससे सभी प्रशिक्षणार्थी जनता व विभाग की आकांक्षाओं पर खरे उतर सके।

प्रशिक्षण की द्विप्रवाही प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए समस्त आउटडोर स्टाफ का विशेष आभार। महिला अधिकारी के रूप में मुझे इस कोर्स का आउटडोर प्रभारी का उत्तरदायित्व सौंपने के लिए निदेशक महोदय का विशेष आभार।

सभी प्रशिक्षणार्थियों को मेरी ओर से उज्ज्वल भविष्य एवं कामयाब पुलिस सेवा की शुभ कामनाएँ।

जयहिन्द!

(वीना कुमारी)

संदेश

पूनम
उप निरीक्षक
सहायक कोर्स डायरेक्टर, इन्डोर
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

राजस्थान पुलिस परिवार का अभिन्न अंग बनने पर सभी प्रशिक्षुओं को हार्दिक बधाई। प्रारम्भिक प्रशिक्षण के दौरान आर.पी.ए. में आपको व्यावसायिक कौशल, सृजनात्मक कार्यशैली, समुदाय के सभी वर्गों के साथ मृदु एवं संतुलित व्यवहार करने हेतु प्रशिक्षित किया गया। अपने कार्यो के प्रति सदैव समर्पित निष्ठावान रहें, जिससे जीवन में आप निरन्तर आगे बढ़ सकें। मेरी शुभकामनाएं सदैव आपके साथ है। जीवन के पथ पर बुलन्द हौसलों से आगे बढ़ना, समाज से आए हो समाज के लिए, ये जरा सी बात हमेशा याद रखना।

मैं आपके उज्ज्वल एवं सफल जीवन की कामना करती हूँ एवं आशा करती हूँ। ये प्रशिक्षण आपके भावी जीवन में मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत की भूमिका का निर्वहन करेगा।

(पूनम)

हवासिंह
प्लाटून कमाण्डर
सहायक कोर्स डायरेक्टर, आउटडोर
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

महिला कानि. प्रशिक्षु बैच संख्या 66 का राजस्थान पुलिस अकादमी में दिनांक 19.06.2016 से आधारभूत प्रशिक्षण प्रारम्भ हुआ। मुझे इस बैच की आउटडोर गतिविधियों को संचालित को करने के लिए सहायक कोर्स समन्वयक नियुक्त किया गया। प्रत्येक विभाग में नियमित सेवा से पूर्व प्रशिक्षण बहुत ही आवश्यक है, लेकिन पुलिस विभाग के लिए प्रशिक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। प्रशिक्षण से अनुशासन, व्यवहार कुशलता एवं संवेदनशीलता आदि गुणों का विकास होता है। शारीरिक दक्षता प्रशिक्षु के व्यक्तित्व विकास के साथ ही मानसिक दृढ़ता भी प्रदान करती है। प्रशिक्षण के दौरान शारीरिक अभ्यास, परेड, हथियारों से सम्बन्धित ज्ञान, फायरिंग, योग एवं बिना हथियार के लड़ाई लड़ना, (यू.ए.सी.) इत्यादि का प्रशिक्षण प्राप्त कर आप सभी दक्ष पुलिस अधिकारी के रूप में देश एवं समाज की सेवा के लिए तत्पर रहेंगे। आप सभी को अपना आधारभूत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई।

मैं आपके स्वस्थ जीवन व उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

जयहिन्द !

(हवासिंह)

महिला आरक्षी बैच 66 का संक्षिप्त परिचय

समाज के बदलते हुए परिवेश में महिलायें विभिन्न चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार कर रही हैं। पहले जहाँ सेना और पुलिस सिर्फ पुरूषों के ही कार्यक्षेत्र समझे जाते थे, वहाँ अब महिलायें स्वयं को साबित करने में जुटी हुई हैं। प्रशिक्षण के दौरान अत्यधिक कठिनतम कार्यों में भी वे स्वयं को पूर्ण रूप से सक्षम साबित कर रही हैं। महिला अब अबला से सबला का सफर तय कर हर क्षेत्र में पुरूषों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर कार्य कर रही हैं। जीवन के कुरूक्षेत्र में हर चुनौती का सामना दक्षता और बहादुरी के साथ कर रही हैं। इस प्रकार की कर्मठ महिलाओं का सबसे बड़ा आरक्षी बैच राजस्थान पुलिस अकादमी में दिनांक 20.06.2016 को प्रशिक्षण हेतु आया, जिसका दीक्षान्त समारोह जून 2017 के द्वितीय सप्ताह में सम्पन्न होने जा रहा है।

अकादमी का बैच संख्या 66 एक ऐतिहासिक बैच रहा है, जिसमें सभी 188 प्रशिक्षणार्थी महिलायें हैं। इस बैच में शामिल प्रशिक्षणार्थियों में से अधिकतर ग्रामीण पृष्ठभूमि की हैं, जिनकी औसत आयु 24.66 वर्ष है। शैक्षणिक दृष्टि से इनमें से 4 प्रशिक्षणार्थी सैकण्डरी, 52 हायर सैकण्डरी, 98 स्नातक व 34 स्नातकोत्तर हैं। इसके अतिरिक्त 53 ने बी.एड. एवं 18 ने अन्य डिग्रियाँ जैसे– नर्सिंग, ए.एन.एम., बी.एस.टी.सी. आदि प्राप्त कर रखी हैं।

राजस्थान पुलिस अकादमी ने इनके बहुआयामी शारीरिक व मानसिक विकास के लिए इण्डोर व आउटडोर ट्रेनिंग के अतिरिक्त खेलकूद, योगा आदि में भी निरन्तर अभ्यास करवाया है। सहायक निदेशक (इण्डोर) श्री सौरभ कोठारी एवं सेवानिवृत्त सहायक निदेशक(इण्डोर) श्री लक्ष्मण सिंह मण्डा के पर्यवेक्षण में कोर्स निदेशक श्री आलोक कुमार, पुलिस निरीक्षक एवं सह कोर्स निदेशक श्रीमती पूनम चौधरी, उप निरीक्षक पुलिस द्वारा इण्डोर प्रशिक्षण में इनको भारतीय संविधान एवं मानव व्यवहार, पुलिस संगठन एवं प्रशासन, व्यक्तित्व विकास में सम्प्रेषण दक्षता व नेतृत्व क्षमता, भारतीय दण्ड संहिता, दण्ड प्रक्रिया संहिता, साक्ष्य अधिनियम, सामुदायिक पुलिसिंग, कानून व्यवस्था, वीआईपी सुरक्षा जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त इनको यातायात व्यवस्था, भीड़ नियन्त्रण, मोबाइल फोन ट्रेकिंग, आपदा प्रबन्धन एवं प्राथमिक चिकित्सा जैसे विषयों पर व्यावहारिक प्रदर्शन के द्वारा प्रशिक्षित किया गया। पुलिस के संदर्भ में लोक संभाषण एवं प्रतिवेदन लेखन का गहन अभ्यास करवाया गया। पूर्व सहायक निदेशक (आउटडोर) श्री आलोक श्रीवास्तव एवं वर्तमान सहायक निदेशक (आउटडोर) श्री चन्दा राम के पर्यवेक्षण में कोर्स समन्वयक, सुश्री वीना माहिच, कम्पनी कमाण्डर एवं सह समन्वयक श्री हवासिंह, प्लाटून कमाण्डर द्वारा पी. टी., योगा, दौड़, परेड, सम्मान गार्ड, हथियारों का ज्ञान फील्ड क्राफ्ट, फायरिंग, पेट्रोलिंग, भीड़ नियन्त्रण, बल्वा परेड, वी.आई.पी. सुरक्षा, यू.ए.सी., एम्बुश, घेराबन्दी, एस्कोर्ट आदि का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाया गया।

महिला प्रशिक्षुओं को इनकी रूचि के एक विशिष्ट क्षेत्र में दक्ष बनाने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई, जिसमें कम्प्यूटर में अकादमी की दक्ष फैकल्टी द्वारा इनको प्रशिक्षित किया गया। मोबाइल फोन ट्रेकिंग में साइबर क्राइम थाना, एस.सी. आर.बी., जयपुर से दक्ष विषय विशेषज्ञों ने जानकारी दी। रिकार्ड रूम के रख रखाव की जानकारी हेतु थाना बनीपार्क के रिकार्ड रूम प्रभारी ने प्रशिक्षित किया तथा प्रतिकृति निर्माण, अंगुलचिन्ह एवं पदचिन्ह विषय पर पूर्व सहायक निदेशक एफ.एस.एल. श्री आर.एस.श्शर्मा एवं उनकी टीम ने प्रशिक्षण दिया।

स्क्वॉड नं. 1

प्रथम पंक्ति बाएं से दाएं–रेखा, चेनू, प्रियंका, कंचन, गुडिया,नेतराम (आउटडोर प्रशिक्षक), सुशीला, मोजन्ती, केशर, मंजू, प्रेमी,
द्वितीय पंक्ति बाएं से दाएं–रोशन,मुन्नी, निरमा, ममता, सुमित्रा, मोहनी, तीजा, सावित्री, महिमा, पिंकी, सुशीला,
तृतीय पंक्ति बाएं से दाएं–गुड्डी,किरण, रूपा, किरण, अनिता, विनोद, बन्नू, भगवती, राजश्री, सुमित्रा

स्क्वॉड नं. 2

प्रथम पंक्ति बाएं से दाएं –विमला, संजू, बबीता, सुमन, मीना, तेजाराम (आउटडोर प्रशिक्षक), विमला, अनिता शर्मा, अनिता बाई, मीनाक्षी, मैना
द्वितीय पंक्ति बाएं से दाएं – आशा, संतोष, कविता, रिपु, कमला, किरण, फोरन्ता, सुमता, कृष्णा, कविता, मैना कुमारी
तृतीय पंक्ति बाएं से दाएं –मौसमी, भंवरी, प्रिती, अनिता, मोना, रेखा, मंजू, सोनू, रतनी, लाली

राजस्थान पुलिस आरक्षीगण बैच-66 प्रोफाईल- स्क्वॉड नं.1

क्र. सं.	नाम/पिता/पति का नाम	बैल्ट नं0	भर्ती जिला	गृह जिला	जन्म तिथि	शैक्षणिक योग्यता
1.	श्रीमती रेखा चौधरी/श्री गोविन्द राम	2903	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	07.08.1989	B.A., B.Ed
2.	सुश्री चेनु देवी/श्री खेराजराम	2696	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	04.05.1993	B.A., B.Ed
3.	सुश्री प्रियंका/श्री चरण सिंह	11456	आयु0 जयपुर	अलवर	15.03.1995	B.A., B.Ed
4.	सुश्री कंचन देवी/श्री हीरा राम	2860	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	01.02.1992	M.A., B.Ed
5.	सुश्री गुडिया कुमारी/श्री ठाकरा राम	2908	आयु0 जोधपुर	जैसलमेर	27.03.1994	B.A.
6.	श्रीमती सुशीला/श्री चेनाराम	2848	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	06.06.1988	B.A., B.S.T.C.
7.	सुश्री मौजन्ती बाई मीना/श्री रामेश्वर प्रसाद	2833	आयु0 जोधपुर	दौसा	20.06.1991	B.A., B.Ed
8.	सुश्री केशर कुमारी/श्री धर्माराम	2896	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	01.07.1995	12th
9.	श्रीमती मंजू गुर्जर/श्री हरीसिंह गुर्जर	11446	आयु0 जयपुर	दौसा	29.06.1993	B.A.
10.	सुश्री प्रेमी देवी/श्री रेवन्त राम	2754	आयु0 जोधपुर	नागौर	10.07.1993	M.A.
11.	सुश्री रोशन नेहरा/श्री गोरधनलाल	1385	टोंक	टोंक	05.02.1991	B.A., B.Ed
12.	सुश्री मुन्नी/श्री मगनाराम	2912	आयु0 जोधपुर	बाडमेर	20.12.1995	12th
13.	श्रीमती निरमा/श्री राजेश ढ़ाका	2746	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	07.07.1991	M.A., B.Ed
14.	सुश्री ममता/श्री मही राम	2868	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	15.10.1995	12th
15.	श्रीमती सुमित्रा देवी साऊ/श्री मांगी लाल	2850	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	01.07.1990	12th
16.	श्रीमती मोहनी कुमारी/श्री ठाकरा राम	2918	आयु0 जोधपुर	बाडमेर	04.10.1995	B.A.
17.	सुश्री तीजा जाखड/श्री लादू राम	2690	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	05.02.1991	M.A.
18.	श्रीमती सावित्री देवी/श्री दिनेश कुमार झांझड़िया	11448	आयु0 जयपुर	सीकर	01.02.1988	M.A., B.Ed
19.	सुश्री महिमा चौधरी/श्री भीखा राम	2781	आयु0 जोधपुर	नागौर	01.07.1990	M.A., B.Ed
20.	सुश्री पिंकी रेवाड़/श्री गंगाराम	2773	आयु0 जोधपुर	सीकर	13.08.1991	B.A.
21.	सुश्री सुशीला/श्री रामदेव	2721	आयु0 जोधपुर	नागौर	16.08.1994	12th
22.	सुश्री गुड्डी जाट/श्री श्योनारायण	890	टोंक	जयपुर	07.05.1992	B.A.
23.	श्रीमती किरण चौधरी/श्री राजेन्द्र कुडिया	2907	आयु0 जोधपुर	नागौर	23.11.1989	M.A., B.Ed
24.	श्रीमती रूपा/श्री महेश विश्नोई	2748	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	22.11.1993	12th
25.	सुश्री किरण/श्री बीरमराम	2906	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	02.05.1995	12th
26.	श्रीमती अनिता/श्री निरंजन कुमार	1148	राजसमन्द	झुन्झुनूं	09.05.1995	12th
27.	श्रीमती विनोद/श्री राजेन्द्र प्रसाद	1095	राजसमन्द	हनुमानगढ़	10.07.1987	M.A.
28.	श्रीमती बन्नू/श्री खेमाराम	1126	राजसमन्द	बाडमेर	05.03.1993	B.A., B.Ed
29.	सुश्री भगवती/श्री मोहनलाल	1043	जालोर	जालोर	12.08.1993	12th
30.	सुश्री राजश्री/श्री सोरन सिंह	1058	जालोर	जालोर	10.05.1992	12th
31.	सुश्री सुमित्रा/श्री धन्नाराम	1121	राजसमन्द	नागौर	05.05.1994	B.A., B.Ed

Progress is impossible without CHANGE,
and those who cannot change their
MINDS cannot change anything

स्क्वॉड नं. 2

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	बैल्ट नं.	भर्ती जिला	गृह जिला	जन्म तिथि	शैक्षणिक योग्यता
1.	सुश्री विमला/श्री भवंरलाल	2917	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	05.07.1995	12th
2.	श्रीमती संजू चौधरी/श्री गजेन्द्र चौधरी	1386	टोंक	टोंक	09.09.1992	B.A.
3.	श्रीमती बबीता कुमारी/श्री हरफुल सिंह	1139	राजसमन्द	झुन्झुनूं	24.04.1991	12th
4.	सुश्री सुमन देवी यादव/श्री मुरलीधर यादव	11408	आयु0 जयपुर	जयपुर	26.12.1995	12th
5.	श्रीमती मीना कुमारी/श्री कन्हैयालाल	1135	राजसमन्द	भीलवाडा	04.01.1990	M.A.
6.	श्रीमती विमला भादू/श्री सुखदेव	2901	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	07.08.1983	12th
7.	श्रीमती अनिता शर्मा/श्री सुरेश चन्द्र शर्मा	2821	आयु0 जोधपुर	अलवर	01.07.1987	B.A., B.Ed
8.	सुश्री अनिता बाई यादव/श्री बलराम	2937	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	05.01.1990	B.A.
9.	सुश्री मीनाक्षी/श्री रामजीलाल	2007	कोटा शहर	सवाईमाधोपुर	01.07.1992	M.A., B.Ed
10.	श्रीमती मैना यादव/श्री कुंज बिहारी	1380	टोंक	टोंक	17.06.1990	M.A., S.T.C.
11.	सुश्री आशा कुमारी/श्री रमेश चन्द	323	टोंक	टोंक	08.10.1995	M.A.
12.	श्रीमती संतोष/श्री महेन्द्र सियाग	2879	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	26.09.1990	12th
13.	सुश्री कविता कुमारी/श्री रामदेव सिंह	1153	राजसमन्द	झुन्झुनूं	15.04.1992	B.A.
14.	सुश्री रिपु कुमारी/श्री सत्यानन्द सिंह	1155	राजसमन्द	राजसमन्द	12.02.1993	B.sc, B.Ed
15.	श्रीमती कमला श्री/मंगलाराम	2897	आयु0 जोधपुर	बाडमेर	10.07.1991	M.A., B.Ed
16.	सुश्री किरण चौधरी/हरिराम जाखड़	2915	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	25.06.1994	12th, B.S.T.C.
17.	सुश्री फोरन्ता/श्री शंकरलाल	184	टोंक	टोंक	21.09.1993	12th
18.	श्रीमती सुमता देवी/श्री छोटाराम	2733	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	20.04.1994	12th
19.	श्रीमती कृष्णा/श्री सियाराम जाट	1381	टोंक	जयपुर	03.02.1993	B.A., B.Ed
20.	सुश्री कविता चोयल/श्री पुखाराम चोयल	1119	राजसमन्द	जोधपुर	06.02.1991	M.Sc, B.Ed
21.	श्रीमती मैना कुमारी/श्री प्रहलाद	1401	टोंक	टोंक	02.03.1995	12th, B.S.T.C.
22.	सुश्री मौसमी/श्री हजारी लाल	1289	टोंक	टोंक	10.07.1993	10th
23.	सुश्री भंवरी कुमारी/श्री हरचन्द राम	2566	आयु0 जोधपुर	बाडमेर	06.03.1992	12th
24.	सुश्री प्रिती बाला ओड़/श्री सोहन सिंह ओड	2843	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	11.03.1995	B.A.
25.	सुश्री अनिता गुर्जर/श्री नाथु सिंह	11406	आयु0 जयपुर	दौसा	05.05.1995	12th
26.	सुश्री मोना चौधरी/श्री दीनदयाल	1146	राजसमन्द	जयपुर	01.01.1994	12th
27.	सुश्री रेखा चौधरी/श्री रामेश्वर प्रसाद	1221	टोंक	टोंक	17.05.1995	12th
28.	सुश्री मंजु कुमारी/श्री सुमेर सिंह	1975	कोटा शहर	दौसा	04.06.1992	M.A., B.Ed
29.	श्रीमती सोनू/श्री नवीन कुमार	2898	आयु0 जोधपुर	चुरू	10.07.1991	B.A., B.Ed
30.	श्रीमती रतनी/श्री छीतर लाल	1384	टोंक	टोंक	15.08.1990	M.A., B.Ed
31.	सुश्री लाली/श्री मिश्री लाल	10	टोंक	टोंक	12.06.1989	B.A., B.Ed

Perfection is not attainable
but if we chase perfection
We can catch EXCELLENCE

स्क्वॉड नं. 3

प्रथम पंक्ति बाएं से दाएं –गीता, किन्तो, सुनिता, राधा, किरण, रमेश डाबरिया (आउटडोर प्रशिक्षक), रजनी, ममता, गुलाबी, रिन्कु, कुषमा
द्वितीय पंक्ति बाएं से दाएं –ममता, गायत्री, लोटन, सुमन, रेखा, सुनिता, चारू, गायत्री, सरला, सरोज
तृतीय पंक्ति बाएं से दाएं –मंजू, गंगा, शोभा, मुनेशी, इन्दु, मंजू, दुर्गा, मधु, सुनिता

स्क्वॉड नं. 4

प्रथम पंक्ति बाएं से दाएं –पार्वती, अंगूरी, अनिता, पूनम, शीला, सत्यवीर सिंह (आउटडोर प्रशिक्षक), सन्जू, मैना, सुशीला, सुमन, तुलसी
द्वितीय पंक्ति बाएं से दाएं –मुकेश, उषा, चुकिया, सुमित्रा, हंसा, ममता, प्रियंका, अशोका, सुगना, राजू कुमारी, सुनीता
तृतीय पंक्ति बाएं से दाएं –गायत्री, संगीता, पुष्पा, नीरज, प्रीती, वीरकुम्भा, धोली देवी, बेबी, ललिता, इन्द्रा

स्क्वॉड नं. 3

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	बैल्ट नं0	भर्ती जिला	गृह जिला	जन्म तिथि	शैक्षणिक योग्यता
1.	सुश्री गीताश्री/श्री बगडूराम	2871	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	03.05.1993	12^{th}
2.	सुश्री किन्तो बाई मीना/श्री रामजीलाल	2739	आयु0 जोधपुर	अलवर	10.08.1993	B.A., B.Ed
3.	सुश्री सुनिता मेघवाल/श्री रामनारायण	2922	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	09.11.1991	12^{th}, B.S.T.C.
4.	श्रीमती राधा/श्री उगराराम	1554	बाडमेर	बाडमेर	30.01.1991	12^{th}
5.	सुश्री बबीता कुमारी/श्री उम्मेद सिंह	2921	आयु0 जोधपुर	चूरू	01.08.1985	M.A.
6.	सुश्री किरण/श्री धन्नाराम	2929	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	07.07.1994	12^{th}
7.	सुश्री रजनी/श्री कैलाश चन्द	1978	कोटा शहर	कोटा	01.07.1985	B.A.
8.	सुश्री ममता/श्री शंकरलाल	513	टोंक	टोंक	29.05.1993	12^{th}
9.	सुश्री गुलाबी/श्री खेमाराम सिहाग	11459	आयु0 जयपुर	सीकर	26.08.1991	M.A., B.Ed
10.	श्रीमती रिन्कु/श्री प्रदीप तारावत	1407	टोंक	टोंक	19.12.1992	12^{th}, B.S.T.C.
11.	सुश्री कुषमा कंवर/श्री चवर सिंह नरूका	2784	आयु0 जोधपुर	अलवर	08.06.1990	M.Sc
12.	श्रीमती ममता/श्री भगवान चौधरी	593	टोंक	टोंक	05.04.1989	B.A., B.Ed
13.	श्रीमती गायत्री मीना/श्री दिनेश कुमार	2914	आयु0 जोधपुर	अलवर	11.08.1990	12^{th}
14.	सुश्री लोटन बाई मीणा/श्री विजेन्द्र	2902	आयु0 जोधपुर	करोली	01.07.1992	B.A., B.S.T.C.
15.	सुश्री सुमन देवी/श्री बंशी राम	2913	आयु0 जोधपुर	अलवर	15.08.1990	B.A., B.S.T.C.
16.	सुश्री रेखा/श्री तुलछा राम	2783	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	25.06.1993	B.A.
17.	सुश्री सुनिता/श्री दयाराम	2925	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	05.07.1993	B.A.
18.	सुश्री चारू जायसवाल/श्री कैलाश चन्द	1974	कोटा शहर	कोटा	03.07.1995	B.A.
19.	सुश्री गायत्री/श्री पन्ना लाल	1400	टोंक	टोंक	30.07.1989	B.A., B.Ed
20.	सुश्री सरला कुमारी/श्री दलीप कुमार	2303	बीकानेर	हनुमानगढ़	01.01.1989	B.A., B.Ed
21.	सुश्री सरोज/श्री सावता राम	2759	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	17.08.1993	12^{th}
22.	सुश्री मंजु कुमारी/श्री राकेश कुमार	2909	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	04.01.1992	B.Com
23.	श्रीमती गंगा देवी/श्री विष्णु सोलंकी	2701	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	02.06.1993	M.A.
24.	सुश्री शोभा शर्मा/श्री तेजाराम शर्मा	2698	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	21.05.1989	B.A.
25.	सुश्री मुनेशी कुमारी मीना/श्री धर्म सिंह	2919	आयु0 जोधपुर	भरतपुर	28.08.1988	M.A.
26.	सुश्री इन्दु कुमारी/श्री भागीरथ राम	1091	जालौर	जालौर	01.03.1992	B.A.
27.	श्रीमती मंजु कुमारी सोलंकी/श्री अशोक	2876	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	05.04.1990	B.A., B.Ed
28.	सुश्री दुर्गा गुर्जर/श्री देवराज गुर्जर	1391	टोंक	टोंक	30.06.1993	B.A., B.Ed
29.	सुश्री मधु बेनीवाल/श्री प्रहलाद	1402	टोंक	टोंक	16.09.1993	B.A.
30.	सुश्री सुनिता कुमारी मीना/श्री सेडू राम	2714	आयु0 जोधपुर	अलवर	10.06.1993	B.A., B.Ed

**Every Extra ordinary Success
is an accumulation of
Thousands of Disciplined
Ordinary Efforts**

स्क्वॉड नं. 4

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	बैल्ट नं0	भर्ती जिला	गृह जिला	जन्म तिथि	शैक्षणिक योग्यता
1.	सुश्री पार्वती मीणा/श्री रूडमल	1152	राजसमन्द	सीकर	15.08.1993	B.A.
2.	सुश्री अंगूरी मीणा/श्री रामगोपाल मीणा	11288	आयु0 जयपुर	दौसा	10.07.1990	B.A.
3.	सुश्री अनिता कुमारी/श्री बाबुलाल मालव	1976	कोटा शहर	कोटा	20.10.1990	M.A.
4.	श्रीमती पूनम कंवर/श्री विजय सिंह	1096	राजसमन्द	सीकर	10.07.1993	B.A.
5.	सुश्री शीला कुमारी/श्री रामचरण	2920	आयु0 जोधपुर	भरतपुर	01.02.1993	B.A., B.Ed
6.	सुश्री सन्जु कुमारी/श्री रामदेव राम	11445	आयु0 जयपुर	सीकर	01.11.1990	B.A.
7.	सुश्री मैना खोजा/श्री रामलाल खोजा	2872	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	02.01.1994	12th
8.	श्रीमती राजो/श्री ओमप्रकाश	1539	बाड़मेर	बाड़मेर	03.03.1994	12th
9.	श्रीमती सुशीला/श्री विजेन्द्र सिंह	2924	आयु0 जोधपुर	झुन्झुनूं	01.07.1992	B.A.
10.	सुश्री सुमन/श्री शिवराम	2683	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	10.10.1994	12th
11.	सुश्री तुलसी चौहान/श्री गोदसिंह	1151	राजसमन्द	अजमेर	06.09.1993	B.A.
12.	सुश्री मुकेश/श्री बलवन्त सिंह	11444	आयु0 जयपुर	अलवर	07.06.1989	B.A.
13.	सुश्री उषा/श्री जयमल राम	2804	आयु0 जोधपुर	जालौर	20.05.1994	B.A.
14.	सुश्री चुकिया चौधरी/श्री तिलोक राम	2706	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	10.05.1992	12th
15.	सुश्री सुमित्रा/श्री ओमारामजी	2732	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	22.06.1993	B.A.
16.	सुश्री हंसादेवी जाट/श्री सुरेश चन्द जाट	11420	आयु0 जयपुर	जयपुर	02.07.1991	B.A.
17.	श्रीमती ममता/श्री विजेन्द्र	332	धौलपुर	धोलपुर	10.07.1994	B.A.
18.	सुश्री प्रियंका/श्री हवासिंह	2780	आयु0 जोधपुर	झुन्झुनूं	10.01.1994	B.A.
19.	सुश्री अशोका/श्री जगदीश राम	2883	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	06.04.1994	12th
20.	सुश्री सुगना चौधरी/श्री खियाराम	2881	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	25.09.1993	10th
21.	सुश्री राजू कुमारी/श्री भौरीलाल	11462	आयु0 जयपुर	दौसा	10.07.1990	B.A., B.Ed
22.	सुश्री सुनीता यादव/श्री सीताराम	1991	कोटा शहर	टोंक	06.05.1995	B.A.
23.	सुश्री गायत्री/श्री तेजमल	1992	कोटा शहर	कोटा	02.07.1992	B.A., B.S.T.C.
24.	सुश्री संगीता/श्री हरचन्द मीणा	2927	आयु0 जोधपुर	अलवर	13.04.1992	B.A.
25.	सुश्री पुष्पा बेन्दा/श्री गणपत सिंह	2389	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	20.12.1985	B.A., B.Ed
26.	सुश्री नीरज अवाना/श्री रामअवतार अवाना	11417	आयु0 जयपुर	दौसा	08.03.1993	12th
27.	श्रीमती प्रीती परमार/श्री मनोज	323	धोलपुर	धोलपुर	10.01.1991	B.A., B.Ed
28.	श्रीमती वीरकुम्भा मोरी/श्री जोशी डिन्डोर	1075	बांसवाड़ा	बांसवाड़ा	05.03.1991	B.A.
29.	श्रीमती धोली देवी/श्री अनोप कुमार	2841	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	15.02.1990	10th
30.	श्रीमती बेबी/श्री हेमाराम	2716	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	28.10.1991	12th
31.	सुश्री ललिता कुमारी/श्री जगमाल सिंह	11422	आयु0 जयपुर	झुन्झुनूं	07.07.1985	B.A., B.Ed
32.	सुश्री इन्द्रा कुमारी/श्री दुर्गा राम	2041	जैसलमेर	बाड़मेर	13.04.1994	12th

स्क्वॉड नं. 5

प्रथम पंक्ति बाएं से दाएं –सोहनी, सुशीला, संगीता, मीरा, ममता, विक्रम सिंह (आउटडोर प्रशिक्षक), पंचम, प्रियंका, प्रमिला, उर्मिला, शोभा
द्वितीय पंक्ति बाएं से दाएं –श्यामा, मन्जू देवी, सुमता, मन्जू चौधरी, सुवा कंवर, मूर्ति, सुमन, रसीला, निशा, मनीषा, बीना
तृतीय पंक्ति बाएं से दाएं –छोटा, मंशा, सुखवेन्द्र, दीपा, रीनू, सुजित, सरिता, पूनम, सुनिता, मन्जू, शिमला

स्क्वॉड नं. 6

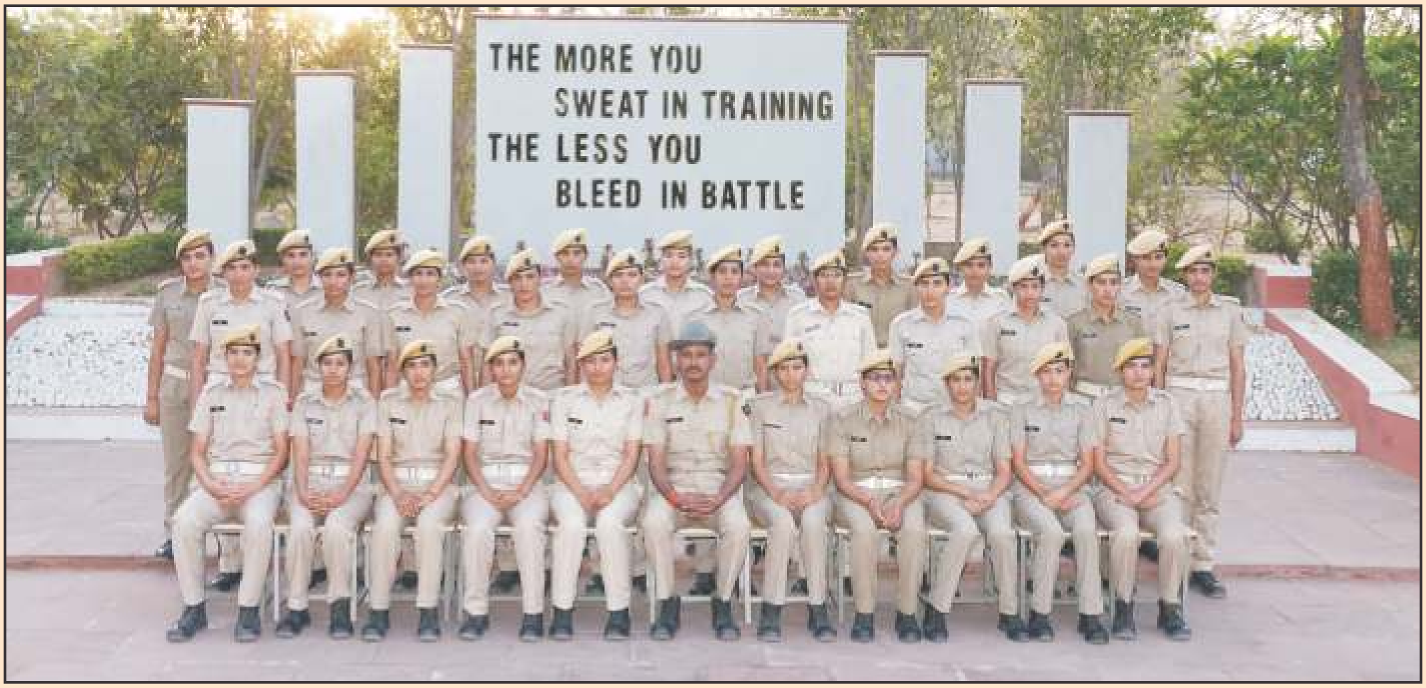

प्रथम पंक्ति बाएं से दाएं –बीना, उर्मिला, मन्जू, रानी, अंजु, वीरेन्द्र सिंह (आउटडोर प्रशिक्षक), सरोज, सुमित्रा, विद्या, प्रियंका, सदा कंवर
द्वितीय पंक्ति बाएं से दाएं –सुमित्रा, सुनिता, मन्जू, सुरेखा, रेखा, राजकुमारी, आनन्द, कंचन, छोटी, लीला बाई, लीला
तृतीय पंक्ति बाएं से दाएं –अंजु, अकलीम बानो, रीतू आचार्य, सुनिता, हेमा, अंजु, मीना, पूनी, धापू, लीला, ललीता

स्क्वॉड नं. 5

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	बैल्ट नं.	भर्ती जिला	गृह जिला	जन्म तिथि	शैक्षणिक योग्यता
1.	सुश्री सोहनी/श्री मनोहर राम	2899	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	15.07.1993	B.A.
2.	सुश्री सुशीला/श्री पदमाराम	2923	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	04.05.1993	B.A., G.N.M.
3.	सुश्री संगीता/श्री करना राम	2904	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	05.01.1993	B.A.
4.	श्रीमती मीरा/श्री दिनेश सियाग	2890	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	04.07.1990	B.A.
5.	श्रीमती ममता/श्री सहीराम विश्नोई	2807	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	02.08.1985	M.A., B.Ed
6.	श्रीमती पंचम/श्री ओमप्रकाश	2673	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	04.07.1993	B.A.
7.	सुश्री प्रियंका/श्री पुखराज सारण	2877	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	03.06.1993	B.A.
8.	श्रीमती प्रमिला/श्री सुनिल कुमार	2828	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	12.01.1993	B.A., B.Ed
9.	श्रीमती उर्मिला/श्री ओमप्रकाश	2869	आयु0 जोधपुर	जयपुर	01.05.1992	12^{th}
10.	श्रीमती शोभा/श्री पूनाराम	2900	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	05.04.1986	B.A.
11.	सुश्री श्यामा चौधरी/श्री ओमाराम	2905	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	15.08.1994	10^{th}
12.	सुश्री मन्जु देवी/श्री नारायण राम	2817	आयु0 जोधपुर	पाली	12.09.1990	12^{th}
13.	श्रीमती सुमता देवी/श्री दिनेश कुमार	2892	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	06.08.1993	B.A.
14.	श्रीमती मन्जु चौधरी/श्री नाथुराम चौधरी	2679	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	02.03.1990	M.A., B.Ed
15.	सुश्री सुवा कंवर/श्री भोमा राम	2846	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	03.05.1992	B.A.
16.	श्रीमती मूर्ति/श्री अशोक विश्नोई	2567	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	28.07.1994	B.A.
17.	सुश्री सुमन गुर्जर/श्री राधेश्याम	10695	आयु0 जयपुर	जयपुर	08.07.1994	B.A., B.Ed
18.	श्रीमती रसीला गोदारा/श्री वेदप्रकाश	1394	टोंक	टोंक	02.01.1994	12^{th}
19.	सुश्री निशा/श्री ओमप्रकाश	1150	राजसमन्द	झुन्झुनु	06.06.1990	M.A.
20.	श्रीमती मनीषा/श्री शंकरलाल	2044	जैसलमेर	जोधपुर	01.07.1992	12th, B.S.T.C.
21.	श्रीमती बीना/श्री गिर्राज प्रसाद	11463	आयु0 जयपुर	अलवर	15.08.1992	B.A., B.Ed
22.	सुश्री छोटा बाई/श्री अर्जुनलाल	1376	टोंक	टोंक	10.09.1990	B.A., B.Ed,Nursing
23.	सुश्री मंशा कुमारी/श्री सत्यनारायण	11436	आयु0 जयपुर	झुन्झुनु	21.07.1993	B.A., B.Ed
24.	श्रीमती सुखवेन्द्र/श्री नरेन्द्र सिंह	2123	भीलवाडा	झुन्झुनु	05.08.1992	B.A.
25.	श्रीमती दीपा चौधरी/श्री वैद्यनाथ	1404	टोंक	टोंक	01.07.1990	B.A., B.Ed
26.	श्रीमती रीनू जाट/श्री विनोद चोपड़ा	1403	टोंक	टोंक	01.01.1992	12^{th}
27.	सुश्री सुजित कुमारी/श्री ओमप्रकाश	1098	राजसमन्द	चुरू	10.05.1991	B.Sc., B.Ed
28.	श्रीमती सरिता/श्री नवीन कुमार	1129	राजसमन्द	झुन्झुनु	14.05.1990	M.Sc., B.Ed
29.	सुश्री पूनम/श्री रहीश पाल	967	सवाईमाधोपुर	दौसा	20.07.1994	B.A.
30.	श्रीमती सुनिता/श्री राधेश्याम नागर	1134	कोटा ग्रामीण	बूंदी	07.06.1992	M.A., B.Ed
31.	सुश्री मन्जु कुमारी/श्री बाबुलाल	2765	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	06.05.1995	B.A.
32.	श्रीमती शिमला देवी/श्री बैजनाथ जाट	1392	टोंक	टोंक	05.07.1995	12^{th}

**Perfection does not come from belief or faith.
Talk does not count for anything.
Parrots can do that. Perfection comes through
SELFLESS WORK.**

स्क्वॉड नं. 6

क्र.सं.	नाम / पिता / पति का नाम	बैल्ट नं.	भर्ती जिला	गृह जिला	जन्म तिथि	शैक्षणिक योग्यता
1.	श्रीमती बीना चौधरी / श्री देशराज चौपड़ा	631	टोंक	टोंक	05.05.1991	B.A.
2.	सुश्री उर्मिला / श्री रामधन कुमावत	1399	टोंक	टोंक	06.07.1995	B.Sc.
3.	सुश्री मन्जू बाज्या / श्री रामनाथ बाज्या	11430	आयु0 जयपुर	सीकर	15.06.1992	M.A., B.S.T.C.
4.	श्रीमती रानी मीणा / श्री रविन्द्र मीणा	1147	राजसमन्द	सवाईमाधोपुर	01.07.1995	B.A.
5.	सुश्री अंजु चौधरी / श्री केशाराम	2818	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	01.07.1992	B.A.
6.	श्रीमती सरोज / श्री वरूण कुमार	2910	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	13.01.1987	B.A., B.Ed
7.	सुश्री सुमित्रा / श्री नेमाराम	2864	आयु0 जोधपुर	नागौर	14.03.1993	B.A., B.Ed
8.	श्रीमती विद्या देवी / श्री प्रकाश राम	2832	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	12.10.1988	12^{th}, A.N.M.
9.	सुश्री प्रियंका / श्री बगडूराम	2776	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	25.03.1992	B.A.
10.	श्रीमती सदा कंवर चौधरी / श्री नन्दलाल चौधरी	1398	टोंक	टोंक	06.08.1993	12^{th}
11.	सुश्री सुमित्रा / श्री जुगताराम	2916	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	30.06.1990	12^{th}
12.	सुश्री सुनिता विश्नोई / श्री सुरेश कुमार	2702	आयु0 जोधपुर	जालौर	06.03.1995	B.A.
13.	सुश्री मन्जू कुमारी / श्री पालाराम	11440	आयु0 जयपुर	सीकर	11.02.1982	12^{th}
14.	श्रीमती सुरेखा चौधरी / श्री रत्तीराम चौधरी	155	टोंक	टोंक	01.12.1989	12^{th}
15.	सुश्री रेखा देवी / श्री चांदमल जाट	1389	टोंक	टोंक	11.12.1992	12^{th}
16.	सुश्री राजकुमारी / श्री बालाराम चौधरी	2734	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	21.09.1994	B.A., B.Ed
17.	सुश्री आनन्द कुमारी / श्री भानाराम	2928	आयु0 जोधपुर	झुन्झुनु	03.07.1988	M.A.
18.	सुश्री कंचन चौधरी / श्री किशनाराम	2837	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	21.07.1995	12^{th}
19.	सुश्री छोटी मीणा / श्री हरलाल मीणा	11432	आयु0 जयपुर	अलवर	10.07.1993	B.A.
20.	श्रीमती लीला बाई / श्री धन्नाराम	1052	जालौर	जालौर	01.07.1995	B.A., B.S.T.C.
21.	सुश्री लीला / श्री घेवरराम	2685	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	10.02.1992	B.A.
22.	सुश्री अंजु देवी / श्री बाबूलाल	2820	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	07.05.1993	B.A.
23.	सुश्री अकलीम / श्री नसरूदीन	1963	कोटा शहर	सवाईमाधोपुर	10.06.1993	12^{th}
24.	श्रीमती रीतू आचार्य / श्री सुनील आचार्य	2791	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	16.12.1987	M.A., B.Ed
25.	सुश्री सुनिता जाट / श्री धूला राम जाट	1396	टोंक	टोंक	25.07.1992	B.A.
26.	सुश्री हेमा बाई / श्री काडूराम मीना	1406	टोंक	करोली	20.05.1991	B.A., B.Ed
27.	सुश्री अंजु सिंह / श्री शेरबहादूर सिंह	1977	कोटा	सवाईमाधोपुर	06.06.1994	B.A., B.Ed
28.	सुश्री मीना चौधरी / श्री नारायण राम	2894	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	01.07.1988	B.Sc., B.Ed
29.	सुश्री पूनी / श्री हेमाराम	1093	जालौर	जालौर	18.02.1990	B.A., B.S.T.C.
30.	श्रीमती धापू चौधरी / श्री पुरखाराम	1556	बाडमेर	बाडमेर	01.02.1993	B.A., B.S.T.C.
31.	सुश्री लीला / श्री विन्जा राम	1612	बाड़मेर	बाड़मेर	07.02.1993	B.A., B.S.T.C.
32.	सुश्री ललीता कुमारी / श्री भवंरलाल	2834	आयु0 जोधपुर	जोधपुर	10.09.1993	M.A.

Opportunities and obstacles are equal for all,
A positive person gives RESULTS
And a negative person gives EXCUSES! BE POSITIVE

बैच के सितारे

सुश्री मुकेश
पुत्री श्री बलवन्त सिंह
बेल्ट नं. 11444
आयुक्तालय जयपुर
फायरिंग में प्रथम स्थान

सुश्री सुवा कंवर
पुत्री श्री भोमाराम
बेल्ट नं. 2886
आयुक्तालय जोधपुर
इनडोर में प्रथम स्थान
बैच की ऑल राउण्ड बेस्ट

श्रीमती रीनू जाट
पत्नी श्री विनोद चोपड़ा
बेल्ट नं. 1403
जिला टोंक
आउटडोर में प्रथम स्थान

Profile of Batch

Age Profile

Age Group	No. of Trainees
20 - 25 Yrs.	103
25 – 30 Yrs.	76
30 – 35 Yrs.	09
Total	188

Note : The average age of batch is 24.66 years.

Academic Profile

Qualification	No. of Trainees
X	04
XII	52
Graduate	98
Post Graduate	34
Total	188

Note : Besides the above noted qualification, 53 girls are B.Ed. and 18 girls are having other professional degrees like BSTC and Nursing

S.No.	District Name	Domicile District	Posting District
1.	JODHPUR COMMISSIONERATE	66	95
2.	TONK	28	30
3.	ALWAR	11	
4.	JHUNJHUNU	11	
5.	BARMER	10	
6.	DAUSA	8	
7.	SIKAR	8	
8.	JAIPUR COMMISSIONERATE	7	19
9.	JALORE	7	5
10.	NAGAUR	6	
11.	KOTA CITY	4	9
12.	SAWAI MADHOPUR	4	1
13.	CHURU	3	
14.	BHARATPUR	2	
15.	DHOLPUR	2	2
16.	HANUMANGARH	2	
17.	KARAULI	2	
18.	AJMER	1	
19.	BANSWARA	1	1
20.	BHILWARA	1	1
21.	BUNDI	1	
22.	JAISALMER	1	2
23.	PALI	1	
24.	RAJSAMAND	1	17
25.	BARMER		4
26.	BIKANER		1
27.	KOTA RURAL		1
	TOTAL	**188**	**188**

Total Domicile District – 24 (Jodhpur Commissionerate, Tonk, Alwar, Jhunjhunu, Barmer are having highest number of recruitment in this batch.)

Total Posting District – 14 (Jodhpur Commissionerate, Tonk, Jaipur Commissionerate, Rajsamand are having highest number of postings among the newly recruited lady constables.)

प्रशिक्षणार्थियों की रचनाएं/विचार

आतंकवाद

सजती है बाजार जहाँ, गोलियाँ बारूदों की
कौडियों के मोल बिकते, जान–ईमान इंसानों के
इंसानियत की छांव जहाँ, खो रही उजालों में,
हो रहा वह राष्ट्र जवां, नकाबों के अँधियारों में,
आतंकी हमलो तले, वीरों ने सर कटा दिए,
माँ का आँचल कफन बना, अर्थी को पिता का कन्धा मिला।
कितनी मांगे उजड़ गई, घर का दीपक बुझ गया,
माँ की गोद सूनी हुई, पिता का सहारा छिन गया,
मन की आंखों से देख जरा ए आतंकी कद तेरा कितना छोटा है,
मरा हुआ है जमीर तुम्हारा, मर गया धर्म ईमान है।
हर सांसे बद्दुआ दे रही, जर्रा–जर्रा तुम्हे कोस रहा,
इन मौतो के सिलसिले को जरा, तू दो पल ठहरकर सोच जरा।
तूने अपनी मासूमियत खोई, तूने खोया अपना ईमान,
इंसानों को मारने वाला कैसे हो सकता है इंसान!

सुमित्रा
बैल्ट नं. 1121
भर्ती जिला –राजसमंद

"हल निकलेगा"

कोशिश कर, हल निकलेगा,
आज नहीं तो कल निकलेगा।
अर्जुन के तीर सा सध,
मरूस्थल से भी जल निकलेगा।
मेहनत कर, पौधो को पानी दे,
बंजर जमीन से भी फल निकलेगा।
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे,
फौलाद का भी बल निकलेगा।
जिन्दा रख, दिल में उम्मीदों को,
गरल के समन्दर से भी गंगाजल निकलेगा।
कोशिशें जारी रख, कुछ कर गुजरने की,
जो है आज थमा–थमा सा, चल निकलेगा।
कोशिश कर हल निकलेगा।

किरण चौधरी,
बेल्ट नं0 2915
भर्ती जिला –जोधपुर

प्रशिक्षणार्थियों की रचनाएं/विचार

आया समय उठो तुम नारी

आया समय उठो नारी,
युग निर्माण करना है।
आजादी की खुद नींव में,
तुम्हें प्रगति पत्थर भरना है।
अपने को कमजोर न समझो,
जननी हो सम्पूर्ण जगत की।
गौरव हो अपनी संस्कृति की,
आहट हो स्वर्णिम जगत की।
तुम्हे नया इतिहास देश का,
अपने कर्मो से है रचना।
दुर्गा हो तुम, लक्ष्मी हो तुम,
सरस्वती हो, सीता हो तुम।
सत्य मार्ग दिखलाने वाली,
रामायण हो, गीता हो तुम।
रूढ़ि विवशताओं के बंधन तोड़,
तुम्हें आगे बढ़ना है,
साहस, त्याग, दया, ममता की तुम मूर्ति हो
अवतारी हो, वक्त पड़े तो लक्ष्मी बाई
वक्त पड़े तो झलकारी है।
आंधी हो तुम तूफान घिरा हो,
पथ पर कभी न रूकना है।
शिक्षा हो या अर्थ जगत हो
या सेवाये हो, सरकारी अधिकारी,
तुम्हे नए प्रतिमान सृजन के, अपन हाथों से गढ़ना है।

कमला, बैल्ट नं. 2897
भर्ती जिला – जोधपुर

''एक नन्ही सी कली धरती पर खिली''

एक नन्ही सी कली धरती पर खिली,
लोग कहने लगे पराई है पराई,
जब तक कली थी डाली पर लिपटी रही,
आँचल में मुँह छिपा कर दूध पीती रही।
फूल बनी धागे में पिरोई गई,
किसी के गले में हार बनते ही,
टूट कर बिखर गई।
ताने सुनाये गये दहेज में क्या लाई है,
पैरो से रोन्दी गई,
ठोकर मार कर घर से निकाली गई।
कानून और समाज से माँगती रही न्याय,
अनसुनी कर उसकी बातें,
धज्जियाँ उडाई गई।

अंत में कर ली उसने आत्महत्या,
दुनिया से मुँह मोड़ लिया,
वह थी –
एक गरीब माँ–बाप की बेटी।
है एक सवाल ये इस जंहा से
क्यों हुआ ये सब,
नन्ही सी कली जो धरती पर खिली
यूँ क्यों मुरझा गई।

मोना चौधरी,
बैल्ट नं. 1146

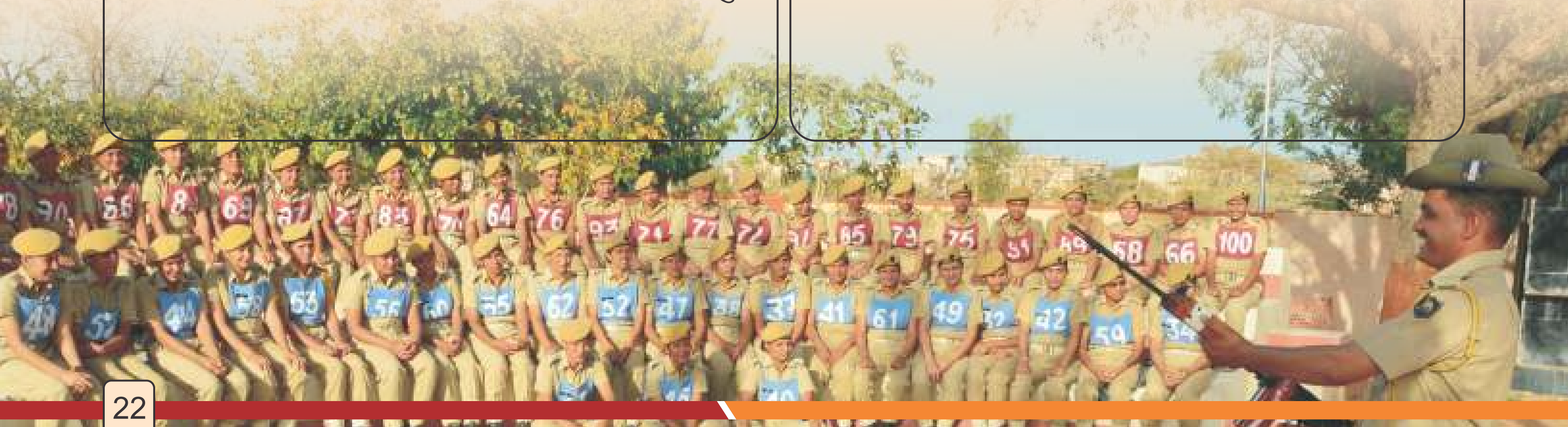

प्रशिक्षण की झलकियाँ
इन्डोर

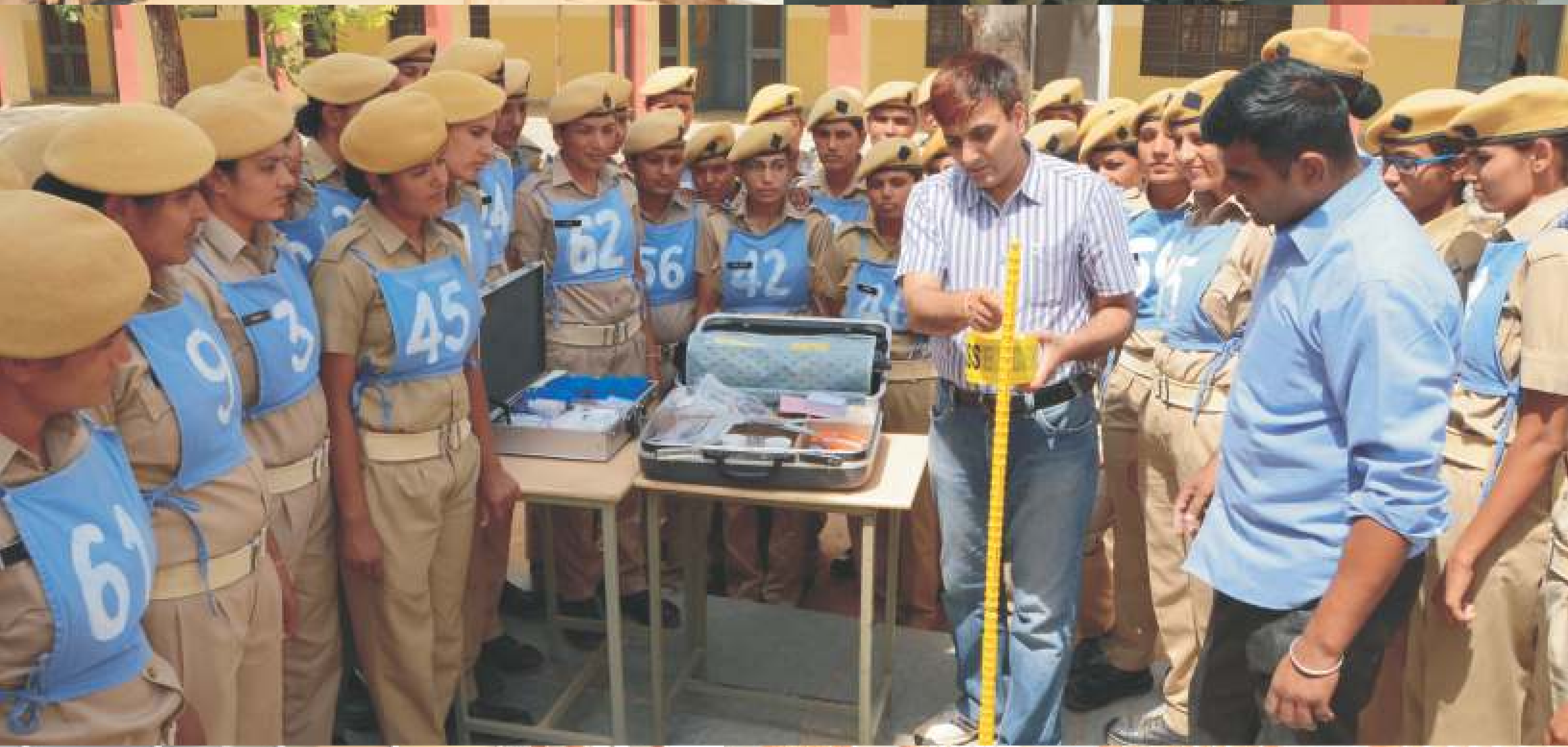

प्रशिक्षण की झलकियाँ
इन्डोर

प्रशिक्षणार्थियों की रचनाएं/विचार

शहीदों के दीवाने

हिन्दु, मुस्लिम, सिख, ईसाई नहीं है हमारी निशानी,
ना गुजराती, ना मराठी, ना मैं हूँ राजस्थानी।
जब कोई पूछे कौन हो तुम,
तो गर्व से बोलो मैं हूँ हिन्दुस्तानी।
देश के लिए जिओ–मरो ताकि याद रखे कई जमाने,
हम है शहीदों के दीवाने, शहीदों के दीवाने।
हम जगते है दिन और रातों को,
हम सीने पर सहते है, दुश्मन के घातों को।
देश सेवा के लिए,
हम भूल जाते है, रिश्ते और नातों को।
जो आग से ना जले हम है वो परवाने,
हम है शहीदों के दीवाने, शहीदों के दीवाने।
हंसते–हंसते मैं शहीद हो जाता हूँ,
ओढ के तिरंगे का कफन, मैं माँ की गोद में सो जाता हूँ।
सुन के गद्दारों की बातें,
कब्र मे ही फफक–फफक के रो जाता हूँ।
सब मिलकर गाओ देश भक्ति के तराने,
हम है शहीदों के दीवाने, शहीदों के दीवाने।
हर तरफ देशभक्ति नारों का शोर होगा,
तू कश्मीर की बात करता है, कब्जे में हमारे लाहौर होगा।
काम नहीं आयेंगे तेरे चीन के याराने,
हम है शहीदों के दीवाने, हम है शहीदों के दीवाने।।

किरण,
बैल्ट नं. 2915
भर्ती जिला – जोधपुर

"अब रहम नहीं करूँगा"

मैं जगा रहूँगा रात दिन चाहे धूप हो या बरसात हो,
चाहे तूफान आये या पूस की ठंडी रात हो,
मैं खड़ा रहूँगा सरहद पर सीना ताने,
चाहे गोलियों की बौछार हो,
चाहे न खाने को कुछ भी आहार हो,
अपने "वतन" की खातिर मैं,
हर दर्द हँस के सह लूंगा,
निकले जो खून बदन से मेरे,
मैं खुश हो लूंगा,
कभी आँखों में रेत भी चली जाए तो,
वादा है मेरी पलके नहीं झपकेगी,
लहू भी जम जाए अगर जो सीने में,
मेरे हाथ बंदूक नीचे नहीं रखेंगे,
दुश्मन के घर मेरे "वतन" के चट्टानों का,
एक टुकड़ा भी न जा पायेगा,
जमींदोज कर दूँगा मैं काफिर तुमको,
जो मेरी धरती की तरफ आँख उठाएगा,
कितना भी दुर्गम रास्ता हो,
किचिंत भी नही डरूँगा मैं,
चप्पे–चप्पे पर रहेगी नजर मेरी,
देश के गद्दारों पर अब रहम नहीं करूंगा मैं।

मन्जू कुमारी,
बैल्ट नं. 1975
भर्ती जिला –कोटा शहर

THE MORE
SWEAT
THE LESS
BLEED

YOU
IN TRAINING
YOU
IN BATTLE

''बेटी है जग का आधार''

बेटी है जग का आधार
जब माँ ही जग में न होगी
तो तुम जन्म किससे पाओगे।।
जब बहन न होगी घर के आँगन में
तो किससे रूठोगे, किसे मनाओगे।।
जब दादी नानी ना होगी
तो तुम्हे कहानी कौन सुनाएगा।।
जब कोई स्वप्न सुन्दरी ही न होगी
तो तुम किससे ब्याह रचाओगे।।

जब घर में बेटी ही न होगी
तो तुम किस पर लाड लुटाओगे।।
जिस दुनियाँ में स्त्री ही न होगी
उस दुनियाँ में तुम कैसे रह पाओगे।।
जब घर में बहू ही न होगी
तो कैसे वंश आगे बढ़ाओगे।
तुम ये बात कब समझ पाओगे।।

मीनाक्षी, बैल्ट नं. 2007
स्क्वाड नं. – 02
भर्ती जिला – कोटा शहर

धन्य है नारी

फूल जैसी कोमल नारी,
हर पल अपनों को जीती नारी।
खुद की हिफाजत से पहले,
अपनों की हिफाजत करती नारी।
दुःखों को ये दूर करती,
खुशियों को बिखेरती नारी।
अपनी ख्वाहिशों से दूर सुदूर,
सपने पूरे करती नारी।
खुद की हिफाजत से पहले,
अपनों की हिफाजत करती नारी।
अपने धरम में बंधी नारी,
अपने करम में बंधी नारी।
खुद के सपनों को कुर्बान कर,
दूसरों के सपने जीती नारी।
खुद की हिफाजत से पहले,
अपनों की हिफाजत करती नारी।
सब्र के वज्रपात सहती नारी,
हमारे दुःखों को सहती नारी।।
स्वतंत्र जलकर यू यहां पर,
हमें रोशनी देती नारी।।
खुद की हिफाजत से पहले,
अपनो की हिफाजत करती नारी।
मैं हूँ नारी जगत् जननी,
माँ, बहिन, गजगामिनी।
है धन्य इस धरा पर,
खुद की हिफाजत से पहले ,
अपनों की हिफाजत करती नारी।।

मीना शर्मा, बैल्ट नं. 1133
भर्ती जिला – राजसमंद

जयपुर मैराथन एवं कोटा में अकादमी के धावकों ने दिखाया दम

जयपुर को दुनिया का सबसे सुन्दर शहर बनाने के सपने तथा ''ग्रीन जयपुर, स्वस्थ जयपुर'' की थीम पर दिनांक 05.02.2017 को आयोजित की गई ''जयपुर मैराथन'' में राजस्थान पुलिस अकादमी के प्रशिक्षुओं ने दमखम दिखाते हुए एक स्वर्ण सहित कुल तीन पदक जीत कर अपनी क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया। इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इन्टरनेशनल मैराथन एण्ड डिस्टेन्स रेसेज (एआईएमडीआर) द्वारा प्रमाणित मार्ग तथा अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित इस मैराथन में पूरे भारत तथा 20 देशों के हजारों धावकों ने भाग लिया।

18 से 25 आयु वर्ग (महिला) में अकादमी की प्रशिक्षु आरक्षी रीनू जाट ने 01 घण्टा 50 मिनट 05 सैकेण्ड के समय में हॉफ मैराथन पूरी कर द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक जीता। 26 से 35 आयु वर्ग (महिला) में अकादमी की प्रशिक्षु आरक्षी कुसमा कंवर ने 01 घण्टा 49 मिनट 33 सैकेण्ड के समय में हॉफ मैराथन पूरी कर द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक जीता तथा अकादमी द्वारा दिए गए सघन प्रशिक्षण की सार्थकता का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया।

इसी प्रकार नागरिकों में स्वास्थ्य जागरुकता के उद्देश्य से दिनांक 19.02.2017 को कोटा में आयोजित 10 किलोमीटर दौड़ में भी अकादमी के प्रशिक्षु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, एक रजत एवं एक कास्य पदक जीता।
महिला वर्ग में कुसमा कंवर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक मय 10,000 रुपये का नकद ईनाम प्राप्त किया तथा रीनू जाट ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक मय 5,000 रुपये का नकद ईनाम प्राप्त किया।

"वक्त नहीं"

हर सुख है लोगो के दामन में,
पर एक हंसी के लिए वक्त नहीं।
दिन–रात दौड़ती दुनिया में,
जिन्दगी के लिए ही वक्त नहीं।
माँ की लोरी का एहसास तो है,
पर माँ को भी माँ कहने का वक्त नहीं।
सारे रिश्तो को तो हम मार चुके,
अब उन्हें दफनाने का भी वक्त नहीं।
सारे नाम मोबाईल में है,
पर दोस्ती के लिए वक्त नहीं।
गैरो की क्या बात करे,
जब अपनों के लिए ही वक्त नहीं।
आँखों में नींद बड़ी,
पर सोने का वक्त नहीं।
दिल है गमों से भरा हुआ,
पर रोने का भी वक्त नहीं।
पैसों की दौड़ में ऐसे दौड़े,
की थकने का भी वक्त नहीं।
पराये अहसानों की क्या कद्र करें,
जब अपने सपनों के लिए ही वक्त नहीं।।

राजश्री, बैल्ट नं. 1058
भर्ती जिला – जालौर

वो नारी

पगडंडियों से रास्ते हो या मरूस्थल सी जमीन,
फिर भी कदम न रूकते है।
वो सर पे मटकी लिए जो नारी है,
देखो उसका बदन कभी न थकता है।।
वो लकड़ी लेने घर से दूर चली जाती है,
हाँ काम करने की उसे पूरी आजादी है।
किसी रोज जो उसके पाँव में काँटे चुभ जाते हैं,
वो सर पे मटकी लिए जो नारी है।
देखो उसका बदन कभी न थकता है।।
आँधी हो या तूफान, उसे हर रोज काम करना है,
क्योंकि, अपने भूखे बच्चे का पेट उसे जो भरना है।
करती है, बड़े प्यार से आदर–सत्कार भी,
अतिथि जो उसके घर कभी आ जाया करते है।
वो सर पे मटकी लिए जो नारी है,
देखो, उसका बदन कभी न थकता है।।

भगवती, बैल्ट नं. 1043
भर्ती जिला – जालौर

प्रशिक्षणार्थियों की रचनाएं/विचार

पुलिस पर कविता संग्रह

''पुलिस में जवाबदारी''

''जीवन'' में ''तकलीफ'' उसी को आती है,
जो हमेशा जवाबदारी, उठाने को तैयार रहते है।
और जवाबदारी लेने वाले कभी हारते नहीं,
या तो जीतते है या फिर सीखते है।।

''क्षमादान महादान''

अहम् से ऊंचा कोई आसमान नहीं,
किसी की बुराई करने जैसा कोई आसान कार्य नहीं।
स्वयं को पहचानने से अधिक कोई ज्ञान नहीं,
और क्षमा करने से बड़ा कोई दान नहीं।।

सुवा कवंर, बेल्ट नं. 2846

''रख हिम्मत''

सपनों में रख आस्था कर्म तू किए जा,
त्याग से ना डर, आलस्य परित्याग किए जा,
गलती कर ना घबरा,
गिरकर फिर हो जा खड़ा।
समस्याओं को रास्तों से निकाल दे,
चट्टान भी हो तो ठोकर से उछाल दे।
रख हिम्मत तूफानों से टकराने की,
जरूरत नहीं है किसी मुसीबत से घबराने की।
जो पाना है बस उसकी चाहत कर,
करता रह कर्म मगर, साथ में खुदा की इबादत भी कर।
फिर देख किस्मत क्या रंग दिखलाएगी,
तुझको तेरी मंजिल मिल जाएगी, मंजिल मिल जाएगी।

सरिता, बेल्ट नं0 1120, राजसमन्द

देशभक्ति कविता

लाल रक्त से धरा नहाई,
श्वेत नभ पर लालिमा छायी,
आजादी के नव उद्घोष वे,
सबने वीरों की गाथा गायी।
गांधी, नेहरू, पटेल, सुभाष की,
ध्वनि चारों और है छायी,
भगत, राजगुरू और सुखदेव की,
कुर्बानी से आँखे भर आई।।
ऐ भारत माता तुझसे अनोखी,
और अद्भुत माँ न हमने पायी,
हमारे रगों में तेरे कर्ज की,
एक–एक बूंद समायी।
माथे पर है बांधे कफन,
और तेरी रक्षा की कसम है खायी,
सरहद पे खड़े रहकर,
आजादी की रीत निभाई।

गुरु की महिमा

सारी धरती को कागज बनाऊं,
सारे वन को कलम बनाऊं,
सम्पूर्ण समुद्र को बनाऊं स्याही,
तो भी गुरू के गुण लिखे ना जाए।।

सुवा कंवर
बेल्ट नं0 2846, जोधपुर।

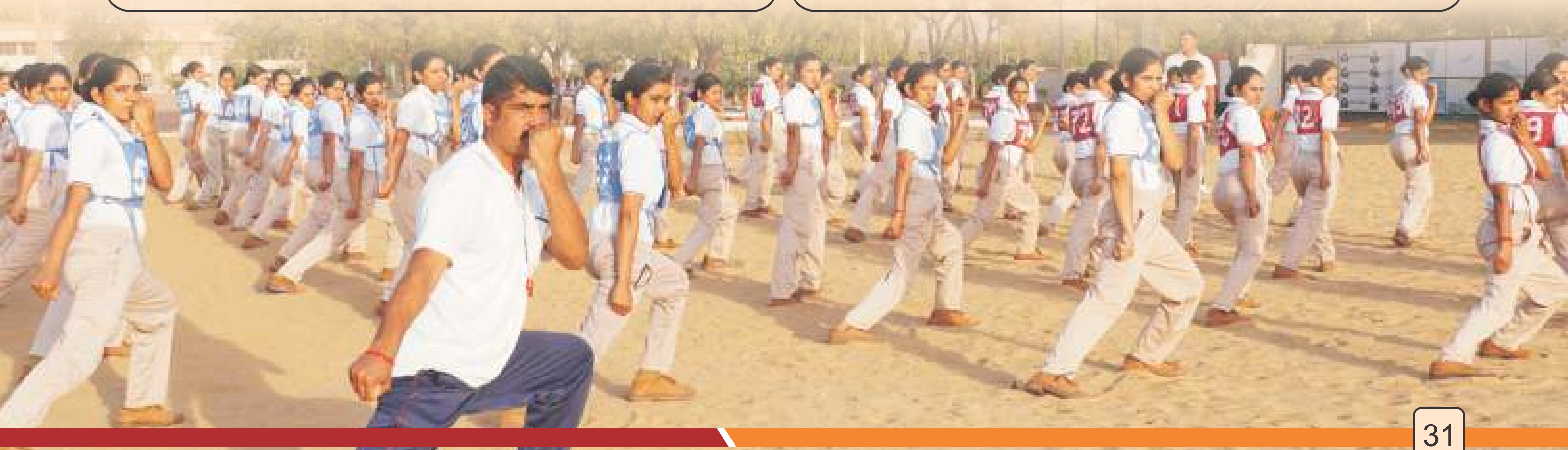

प्रशिक्षण की झलकियाँ
आउटडोर

प्रशिक्षण की झलकियाँ

आउटडोर

प्रशिक्षण की झलकियाँ
आउटडोर

प्रशिक्षणार्थियों की रचनाएं/विचार

चन्दन सी इस देश की माटी

चन्दन सी इस देश की माटी तपोभूमि हर ग्राम हो,
हर नारी देवी की प्रतिमा, बच्चा–बच्चा राम हो।
जिसके सैनिक समर भूमि में गाया करते थे गीता,
यहाँ खेम में हल के नीचे खेला करती थी सीता।
जीवन का आदेश जहाँ पर परमेश्वर का काम हो,
हर नारी देवी की प्रतिमा, बच्चा–बच्चा राम हो।

यहाँ कर्म से भाग्य बदल देती श्रम–निष्ठा,
कल्याणी त्याग और तप की गाथाएँ गाती थी कवि की वाणी,
ज्ञान यहाँ का गंगाजल सा निर्मल हो, अभिराम हो,
हर नारी देवी की प्रतिमा, बच्चा–बच्चा राम हो।

रही सदा मानवतावादी इसकी संस्कृति की धारा,
मिलकर रहना सीखे फिर से मन्दिर–मस्जिद–गुरूद्वारा।
मानवीय संस्कृति का फिर सारे जग में गुणगान हो,
हर नारी देवी की प्रतिमा, बच्चा–बच्चा राम हो।

हर शरीर मंदिर सा पावन, हर मानव उपकारी हो,
क्षुद्र असुरता को ठुकरा दे, प्रभु का आज्ञाकारी हो।
यहाँ सवेरा शंख बजाता लोरी गाती शाम हो,
हर नारी देवी की प्रतिमा, बच्चा–बच्चा राम हो।

चुकिया चौधरी
बेल्ट नं. 2706

चलो लड़ना सीखो

कब तक जिओगे, समझौते भरी जिंदगी,
तेरी आँखे बताती है नहीं, इसमें तेरी रजामंदी।
अरे खुद से पूछ तो सही, तुझे क्या चाहिए,
उम्मीद जमाने से ना कर, खुद बदल जाइये,
आँखों में कोई ख्वाब है अगर, तो पूरा करना सीखो।

मुश्किले तो आती है नदियों की राह में भी,
पर मुश्किलों की परवाह उसे रहती नहीं कभी।
बना लेती है अपना रास्ता वो हर कहीं,
मंजिल का ख्याल कर हमेशा आगे ही बढी।
अरे तेज ना सही तो धीरे–धीरे आगे बढ़ना, सीखो
मुश्किलों से नदियो सा, चलो लड़ना सीखें।

आंधियाँ उड़ा ले जाती है, सूखे पत्ते और धूल
डटकर मुकाबला तो चट्टाने ही करती है,
ये मत भूल अपने अंदर का हर निकाल
हौसला चट्टान सा कर खुद की शक्ति पहचान,
जिंदगी जायेगी निखर,
आंधियों से लड़ना है तो खुद पर यकीन करना सीखो,
चट्टान से बेजान चीजों से चलो लड़ना सीखो।

चुकिया चौधरी
बेल्ट नं. 2706

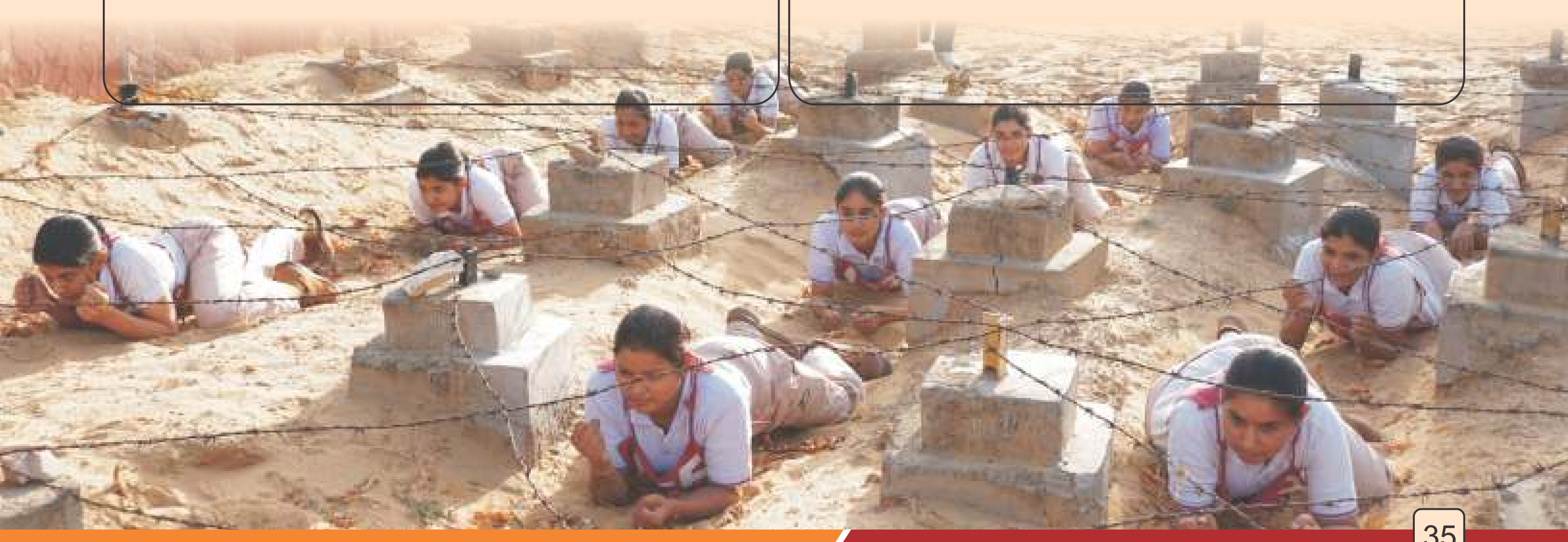

प्रशिक्षणार्थियों की रचनाएं/विचार

ट्रेनिंग के दिन

ट्रेनिंग के दिन न जाने कहाँ खो जायेंगे,
वो शुरूआत के दिन जब यहाँ आरपीए में
नये–नये आये हो।
ना कुछ समझ में आता, व्हिसल बजते ही भाग जाते हो,
ऐसा लगता कैसे यहाँ रह पायेगे।
वो इंस्ट्रक्टर की डाँट, वो इन्स्ट्रक्टर की सजा,
लेकिन उसमें भी आने लगा मजा।
वो हर दिन कदम से कदम मिला के चलना,
वो एक–दो–तीन की गिनती, जिसमें परेशान होना,
ऐसा लगता था क्या होगा, कैसे होगी यह ट्रेनिंग,
वो हर दिन उठते ही मार्का लाईन पर फॉल–इन होना।
सुबह–सुबह दौड़ना बड़ा बुरा लगता था,
वो सुबह–सुबह फ्रंटरोल देना, कुछ समझ न आना।
शुरू–शुरू में इंस्ट्रक्टर को देखते ही दिल बैठ सा जाता था।
ऐसा लगता था कहां आ गये,
वो मेजर की डाँट, वो झाडू बाल्टी के साथ,
ऐसा लगता था कहाँ आ गये हम।
फिर आने लगे इण्डोर, जिसमें थोड़ा आराम मिलने लगा।
जो पीरियड खाली आता, उसमें नींद का मजा आने लगा।
लेकिन पता नहीं वो ट्रेनिंग के दिन कब निकल गये।
अब तो हर टॉस्क अच्छा लगने लगा,
आरपीए अपना सा लगने लगा।
कब सारे इंस्ट्रक्टर से इतना लगाव सा हो गया,
अब तो सब एक परिवार सा लगने लगा।
वो दोस्तों की गपशप, वो दोस्तों से लड़ना,
इंस्ट्रक्टर के डाँटने पर छुप–छुप कर हंसना,
हर राहों में दोस्तों का साथ निभाना,
सारे दोस्त इतने करीब हो गये, जैसे बरसों से साथ थे वो,
अलग–अलग जिलों से आये हुए, फिर भी अपने लगने लगे।
वो दोस्तों के बीमार हो जाने पर,
उनका तीमारदार बनके जाना बड़ा अच्छा लगता था।
कभी–कभी बहाना बनाकर 10 कि.मी. की दौड़ से बचना।
हर रविवार का इंतजार करना।
न जाने यह दिन कहाँ खो जायेंगे।
फिर कभी ना लौट के आयेंगे।
कोई शरारत करके मासूम सा चेहरा बनाना,
इंस्ट्रक्टर के देखते ही फ्रंटरोल खाने को तैयार हो जाना।
अपने दोस्तों के साथ कदम से कदम मिलाना।
वो ट्रेंनिग के पल लौट के न आयेंगे,
हम बस उनको याद करके ही खुश हो जायेंगे।

महिमा, बैल्ट नं. 2781
प्रेमी, बैल्ट नं. 2754
किरण चौधरी, बैल्ट नं. 2907
भर्ती जिला – नागौर

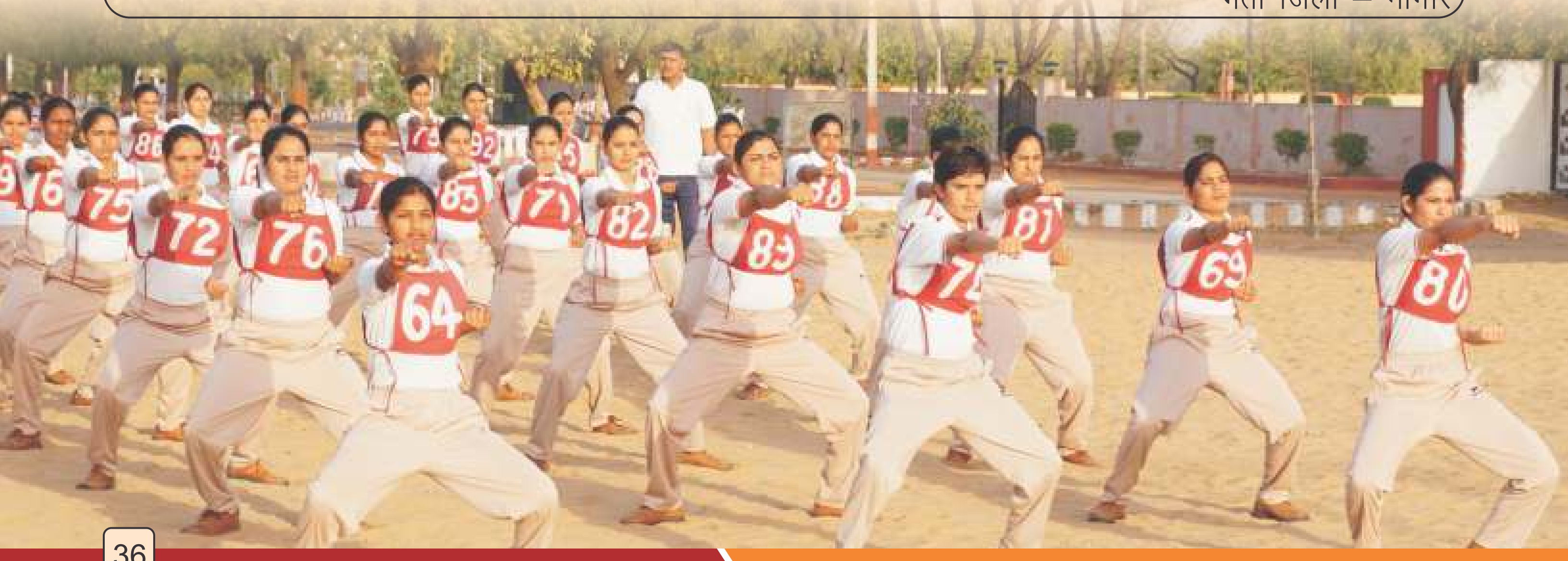

प्रशिक्षणार्थियों की रचनाएं/विचार

"ज़िन्दगी"

खुशियों की महक से है बनती ज़िन्दगी,
सपनों की कलम से है लिखनी ज़िन्दगी।
कहना है बस तुझसे इतना ज़िन्दगी,
हर मोड़ पर तू संभलना ज़िन्दगी।
जीत आसानी से मिले तो क्या ज़िन्दगी,
कभी–कभी दुख भी सहना ज़िन्दगी।
पर आखिर में तो है हंसना ज़िन्दगी,
काँटों के बीच है रहना ज़िन्दगी।
पर गुलाब की तरह है महकना ज़िन्दगी,
आखिर में है ये कहना ज़िन्दगी।
कि हर वक्त यू जिओ ज़िन्दगी,
कि अगले पल फिर मिले या ना मिले ज़िन्दगी।

कविता चोयल, बैल्ट नं. 1119
भर्ती जिला – राजसमन्द

एक बेहतरीन सोच

एक बेहतरीन सोच
हर एक की सुनो,
और हर एक से सीखो।
क्योंकि हर कोई,
सब कुछ नहीं जानता।
लेकिन हर एक,
कुछ ना कुछ जरूर जानता है।
स्वभाव रखना है तो उस दीपक की तरह रखिये,
जो बादशाह के महल में भी उतनी ही रोशनी देता है,
जितनी की किसी गरीब की झोपड़ी में।

अनिता, बैल्ट नं. 1148
स्क्वाड नं. – 01
भर्ती जिला – राजसमन्द

इंसान ने वक्त से पूछा

इंसान ने वक्त से पूछा
मैं हार क्यूँ जाता हूँ
वक्त ने कहा,.
धूप हो या छांव हो,
काली रात हो या बरसात हो,
चाहे कितने भी बुरे हालात हो,
मैं हर वक्त चलता रहता हूँ,
इसलिए मैं जीत जाता हूँ,
तू भी मेरे साथ चल,
कभी नहीं हारेगा।

बन्नू चौधरी, बैल्ट नं. 1126
भर्ती जिला – राजसमन्द

राजस्थान पुलिस अकादमी में नेत्रदान अभिप्रेरण सत्र

राजस्थान पुलिस अकादमी में 'आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान' के द्वारा नेत्रदान के लिए जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से अभिप्रेरण सत्र रखा गया। इस सत्र में अकादमी के निदेशक राजीव दासोत एवं अन्य अधिकारियों के अतिरिक्त अकादमी में प्रशिक्षणरत आरपीएस, पुलिस उप निरीक्षक, कॉन्स्टेबल के अतिरिक्त प्रमोशन केडर कोर्स के सहायक उप निरीक्षक प्रशिक्षु भी शामिल हुए।

इस अवसर पर उपस्थित लगभग 500 अधिकारियों एवं प्रशिक्षुओं को सम्बोधित करते हुए अकादमी के निदेशक श्री राजीव दासोत ने नेत्रदान के महत्व तथा नेत्रदान जैसे पावन कार्य को प्रोत्साहित करने में आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान की भूमिका की सराहना की। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं प्रशिक्षुओं का आह्वान करते हुए कहा कि हम वर्दीधारी जीते जी अपने प्राणों की आहूति देने में पीछे नहीं हटते तो मृत्यु के पश्चात् नेत्रदान में शंका अथवा संकोच नहीं होना चाहिए। उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं प्रशिक्षुओं से अधिकाधिक नेत्रदान संकल्प पत्र भरने का आह्वान किया जिसके परिणामस्वरूप कार्यक्रम के पश्चात् बड़ी संख्या में संकल्प पत्र भरे गये।

प्रशिक्षण की झलकियाँ
खेलकूद एवं व्यायाम

प्रशिक्षणार्थियों की रचनाएं/विचार

कन्या भ्रूण की गुहार – मैं जीने का बहाना हूँ

पराया धन क्यों कहते हो, तुम्हारा ही खजाना हूँ,
जीने दो कोख में मुझको, मैं जीने का बहाना हूँ।
दरों दीवार दरवाजे, हर आँगन की जरूरत हूँ,
मोहब्बत हूँ मैं देहरी में खुशियों का फरमान हूँ।
कहीं बेटी, कहीं बहना, कहीं बीवी, कहीं माँ हूँ,
मै रिश्तो का संबल हूँ, मै खुशबू का घराना हूँ।
मैं मेहमां हूँ, पड़ोसी का वो पौधा भी,
क्यूं माना मुझको बर्बादी, गमो का क्यों तराना हूँ।
सुबह हूँ रात हूँ, आसमां नहीं हूँ मैं,
मैं सूरज–चाँद–तारा हूँ, मैं दुनिया में वीरान हूँ।
दुआ हूँ मैं ही तो रब की, मैं भोला हूँ, मैं भावना हूँ,
लहर हूँ मैं, समंदर हूँ मैं, गुलशन में वीरान हूँ।
हजारों साल – ओ सदियों मेरी बेनूरी को रोए,
दीदावर कोई तो कहते, मैं तो बेटी का दीवाना हूँ।।

संतोष, बैल्ट नं. – 43
भर्ती जिला – जोधपुर

मंदिर के दीये सा...

एक मंदिर के दीये सा जल रहा हूँ,
मैं जहॉ रख दूँ कदम, वह राजपथ है,
मत मिटाओ
पांव मेरे देखकर दुनिया चलेगी।
बेबसी, मेरे अधर इतने न खोलो,
जो कि अपना मोल बतलाता फिरू मैं,
इस कदर नफरत न बरसाओं नयन से,
प्यार को हर गांव दफनाता फिरू मैं,
एक अंगारा गरम मैं ही बचा हूँ,
मत बुझाओं !
जब जलेगी, आरती मुझसे ही जलेगी।

सरिता, बेल्ट नं0 1120, राजसमन्द

Success

An engine called perseverance
Insurance called faith, and
A driver called jesus,
you will make it to a place called success !!

कविता चोयल, बेल्ट नं. 1119
भर्ती जिला – राजसमन्द

प्रशिक्षणार्थियों की रचनाएं/विचार

खाकी वर्दी के लिए

गर्व करो इस वर्दी पर, सब पर यह रंग नहीं खिलता,
किस्मत के बिना इस दुनिया में खाकी परिधान नहीं मिलता।
इस खाकी वर्दी के लिए एट्टी वन (81) का सीना चाहिए,
पांच अलग से फूले भी, घुटना भी न जुड़ना चाहिए।
वो कदम बराबर सधे हुए और ऑख, कान भी ठीक हो,
इन सब खूबी के बावजूद भी घोड़े सा उड़ना चाहिए।
चौड़ी छाती ऊंचे ललाट बिन ये सम्मान नहीं मिलता,
किस्मत के बिना इस दुनिया में खाकी परिधान नहीं मिलता।
क्या सोचा तुमने ईश्वर ने तुम पर क्यूं ये उपकार किया,
क्यूं जन्म दिया इस दुनिया में और सैनिक को ये परिधान दिया।

कृष्णा
कानि. 1318, जिला टोंक

Police officer's Serenity Prayer

God grant me, Serenity
to accept the danger's of my job.
Courage to do what I can to preserve law and order & Wisdom
to put my safety into your hands.
Success, the road to success is not straight
there is a curve called failure.
A loop called confusion,
Speed Bumps called friends ,
Red lights called enemies, and caution lights called family
But if you have a spare called derermination,

कविता चोयल, बेल्ट नं. 1119
भर्ती जिला – राजसमन्द

प्रशिक्षण की झलकियाँ
विविध

राजस्थान पुलिस अकादमी
एक दृष्टि में

प्रशिक्षण की झलकियाँ

प्रशिक्षण की झलकियाँ

The Policing Requires Perfection

The protection of life and property is the responsibility of police. The police have to toil the day in and the day out for the protection of life and property of the citizens. They have to work out the modalities for giving the best policing to the people. The policing is a complex profession which requires flawless investigation to punish the perpetrators of crime. They should also possess the in-depth knowledge of human psychology to deal with difficult persons and situations.

The training institutions need the best person to train the police force. The police training has remained as less priority and the impact value of training was not considered properly. The officers posted in the training institutions are considered as less competent officers. Now, the trend is gradually changing and efforts are on to post the officers in the training institutions through interview and screening of record. Even though, the best instructors are yet to be attracted towards the police training institutions as there is no incentive for the trainers. The training is the only tool to improve our human capital. The policing requires perfection and this important pillar of democracy needs the best faculty to train our policemen.

The crime scenario is changing very fast and the conventional crimes are gradually reducing and heinous crimes like human and drugs trafficking, economic and organized crimes, land mafias, cyber crimes are increasing rapidly. The police needs the experts to deal with these crimes. Nowadays, the criminals are well equipped and tech savvy. The police personnel dealing with such criminals are to have better facilities and technical prowess. The insurgency and terrorism are posing a major threat to the democracy in India and in other countries as well. The only answer to this situation is highly motivated and trained staff in the police force.

The training to a police officers involves knowledge of law and procedure, investigation, forensic science, use of latest gadgets of investigation and law and order, human psychology, managerial skills, communication skills, dealing with complex investigations and law and order situations, handling of weapons, etc. The P.T., yoga and drill are also important component of outdoor training. The policing is a technical profession like other technical professions. A doctor or engineer learns about his profession for 4-5 years and thereafter takes the practical training with the experts. The police officers are trained for one year or less in their training institution and get one year practical training. The variety of work as handling of complex cases and difficult situations require intense training. Such intense training is possible by experts only and **'everybody doing everything'** cannot be the situation to create efficient police professionals. The peace in the society is sine qua non for development and prosperity and also for a robust and thriving democracy like India.

- **Jagdish Poonia**, RPS

The devil whispered in my ear,
"You're not strong enough to
Withstand the storm."
Today I whispered in the devil's ear,
"I am the storm."

प्रशिक्षण की झलकियाँ

प्रशिक्षण की झलकियाँ
नारी शक्ति को समर्पित बड़ा खाना

प्रशिक्षण की झलकियाँ
नारी शक्ति को समर्पित बड़ा खाना

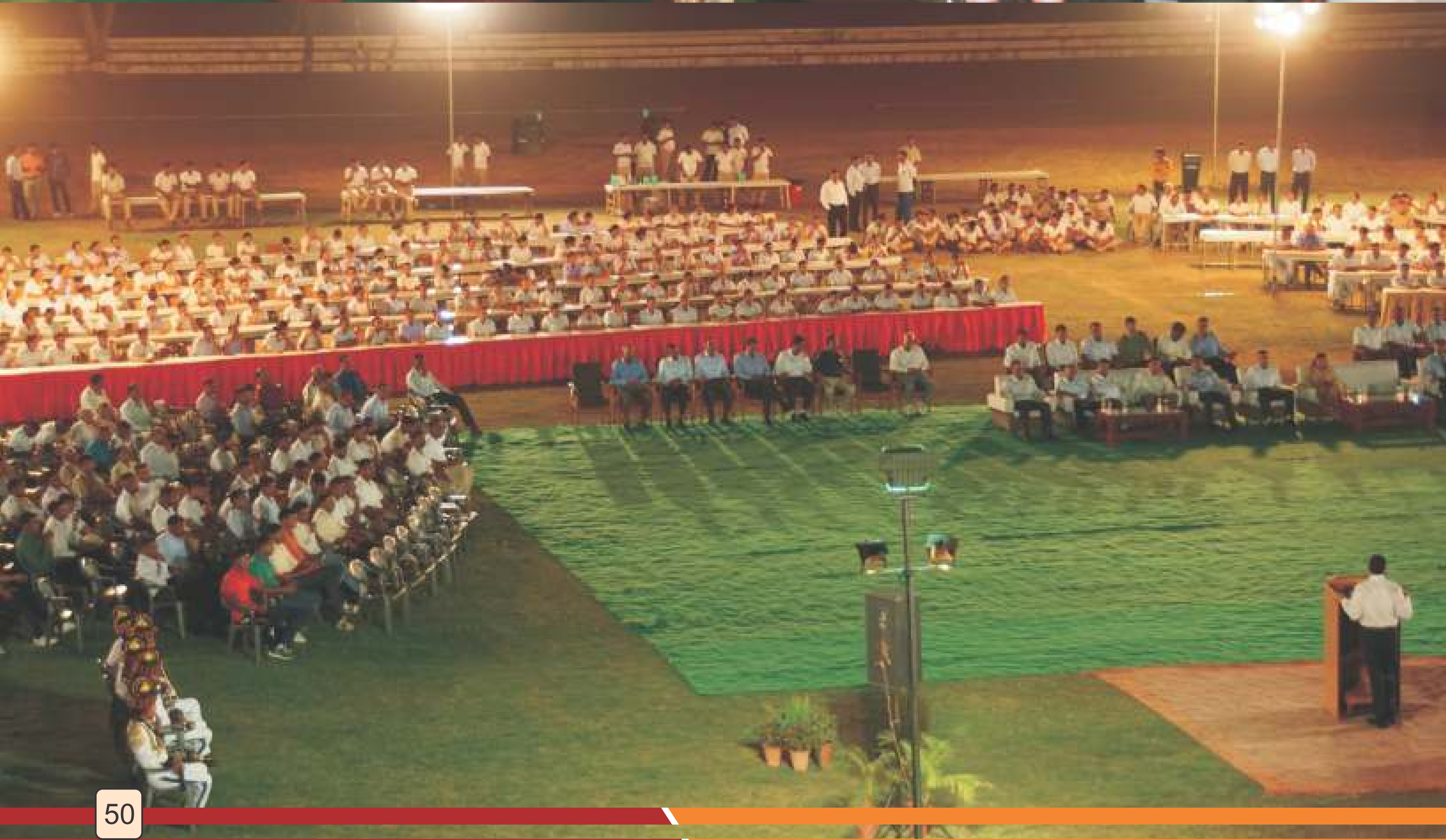

प्रशिक्षण की झलकियाँ
नारी शक्ति को समर्पित बड़ा खाना

प्रशिक्षण की झलकियाँ

नारी शक्ति को समर्पित बड़ा खाना

The Director of the academy exhorting the newly trained lady constables to serve the society with courage

दीक्षान्त परेड समारोह
राजस्थान पुलिस

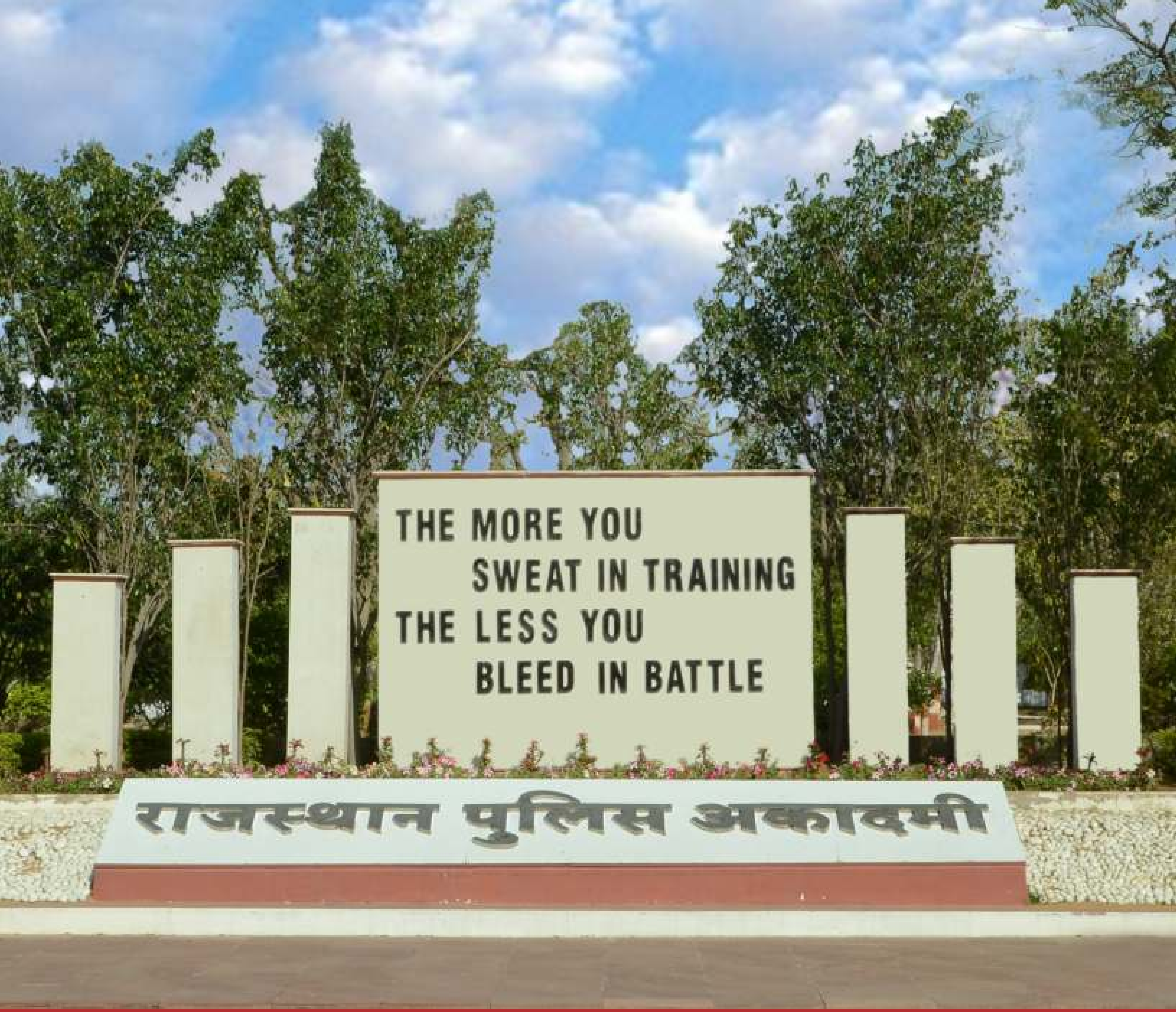

Rajasthan Police Academy
Nehru Nagar, Jaipur-302016 (Rajasthan) India
Ph. : +91-141-2302131, 2303222, Fax : 0141-2301878
E-mail : director.rpa@rajpolice.gov.in Web : www.rpa.rajasthan.gov.in